RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com | बुधवार , 01 जुलाई 2026 | वर्ष: 04, अंक: 101 पृष्ठ: 08, मूल्य: 2 रू. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

एसआईआर के खिलाफ विपक्ष एकजुट, सीजेआई को लिखा लेटर

एसआईआर की प्रक्रिया मनमानी और लोकतंत्र विरोधी: विपक्ष, सीजेआई को लेटर लिखकर चुनावी प्रक्रिया की न्यायिक समीक्षा की मांग की

नई दिल्ली/एजेंसी

चुनाव आयोग की स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) प्रक्रिया और चुनाव से जुड़े अन्य मुद्दों को लेकर 23 विपक्षी दलों और एक निर्दलीय सांसद ने मंगलवार को चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया को लेटर लिखा। डीएमके के प्रवक्ता सरवनन अन्नादुरई ने आरोप लगाया कि एसआईआर की प्रक्रिया मनमानी और लोकतंत्र विरोधी है। एसआईआर का उद्देश्य मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से हटाना है, जबकि लोकतंत्र का आधार सभी वयस्क नागरिकों को वोट का अधिकार देना है। लेटर पर कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) समेत 23 विपक्षी दलों और निर्दलीय राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने हस्ताक्षर किए हैं।

एसआईआर से जुड़े मुद्दों पर विपक्ष की सहमति

सूत्रों के मुताबिक, लेटर पर साइन करने वालों में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी, राजद नेता तेजस्वी यादव, सपा प्रमुख अखिलेश यादव, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और वाम दलों के नेता शामिल हैं। लेटर में कहा गया है कि जब लोकतांत्रिक संस्थाएं अपेक्षित तरीके से काम नहीं करतीं, तब देश की जनता न्यायपालिका की ओर उम्मीद से देखती है। इसमें चुनाव आयोग की भूमिका और रक्फ़ प्रक्रिया से विभिन्न राज्यों में लोगों पर पड़े प्रभाव की बात की गई।

कांग्रेस महासचिव बोले- विपक्ष एकजुट है

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि 8 जून को इंडिया ब्लॉक की बैठक में लेटर भेजने का फैसला लिया गया था।

एसआईआर प्रक्रिया का इस्तेमाल बीजेपी को फायदा पहुंचाने के लिए: टीएमसी

टीएमसी सांसद सागरिका घोष ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग की एसआईआर प्रक्रिया का इस्तेमाल बीजेपी को फायदा पहुंचाने और चुनाव नतीजों को प्रभावित करने के लिए किया जा रहा है। इसी वजह से विपक्षी दलों ने सीजेआई को लेटर लिखकर चुनावी प्रक्रिया की न्यायिक समीक्षा की मांग की है।

सागरिका ने कहा कि ऐसा पहली बार हुआ है कि संयुक्त रूप से चीफ जस्टिस को लेटर लिखकर न्यायपालिका से अपील की है कि एसआईआर प्रक्रिया का इस्तेमाल बीजेपी के फायदे के लिए किस तरह किया जा रहा है, इसकी जांच की जाए। इंडिया ब्लॉक की 8 जून को 2 साल बाद 7वीं बैठक दिल्ली में हुई थी। इसमें 25 दलों के नेता शामिल हुए थे। बैठक में सोनिया गांधी, राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, अखिलेश यादव, ममता बनर्जी, समेत कई नेता मौजूद रहे। वहीं उद्धव ठाकरे और हेमंत सोरेन वर्चुअली जुड़े।

एसआईआर में करोड़ों वोटर के नाम कटे: विपक्ष

मीटिंग के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था एसआईआर में करोड़ों वोटर के नाम कटे। एसआईआर और चुनाव की निष्पक्षता को लेकर एसआईआर को लेटर लिखेंगे। सरकार को महंगाई, बेरोजगारी और अर्थव्यवस्था के मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए। गठबंधन हर 2 महीने में और मानसून सत्र के दौरान भी बैठक करेगा। अगली बैठक 8 अगस्त को हैदराबाद में होगी। बैठक के बाद इंडिया ब्लॉक के नेताओं ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी।

एसआईआर क्या है

यह चुनाव आयोग की एक प्रक्रिया है। इसमें घर-घर जाकर लोगों से फॉर्म भरवाकर वोटर लिस्ट अपडेट की जाती है। 18 साल से ज्यादा के नए वोटरों को जोड़ा जाता है।

भाजपा ने विपक्ष पर लगाया दोहरे मापदंड का आरोप

नई दिल्ली/एजेंसी

विपक्षी दलों द्वारा विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर भारत के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखे जाने पर भारतीय जनता पार्टी ने विपक्ष पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाया। मंगलवार को मीडिया से बातचीत में। राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि 23 विपक्षी दल एक ओर एसआईआर का विरोध कर रहे हैं, जबकि दूसरी ओर कर्नाटक में भी एसआईआर की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। यह विपक्ष की चरम पाखंड की राजनीति है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि जब चुनाव में जीत मिलती है तो एसआईआर और ई वीएम पर कोई सवाल नहीं उठता, लेकिन हार मिलने पर इन्हीं संस्थाओं और प्रक्रियाओं को कटघरे में खड़ा किया जाता है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि विपक्ष के लिए एसआईआर सिर्फ बहाना है, खुद को बचाना असली निशाना है। पूनावाला ने आरोप लगाया कि विपक्ष लोकतांत्रिक संस्थाओं पर सवाल उठाकर अपनी राजनीतिक विफलताओं से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहा है।

एसआईआर से डरने की जरूरत नहीं: बुकर पुरस्कार विजेता बानू मुश्ताक

बेंगलुरु/एजेंसी

कर्नाटक में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) अभियान की शुरूआत के अवसर पर बुकर पुरस्कार विजेता कन्नड़ लेखिका बानू मुश्ताक ने कहा कि यह प्रक्रिया बेहद सरल और सहज है।बानू मुश्ताक ने कहा कि पहले उन्हें भी आशंका थी कि यह अभियान लोगों को परेशान करने वाला होगा, लेकिन स्वयं प्रक्रिया पूरी करने के बाद उनकी सभी शंकाएं दूर हो गईं।

रक्फ़ को लेकर डर बेबुनियाद

बानू मुश्ताक ने कहा कि एसआइआर को लेकर डर बेबुनियाद है। हासन जिले में अपने आवास से अभियान का शुभारंभ करने के बाद बानू मुश्ताक ने बताया कि उन्होंने स्वयं गणना प्रपत्र भरा और केवल आधार कार्ड तथा पुराना मतदाता पहचान पत्र जमा करना पड़ा। मुश्ताक ने कहा कि पूरी प्रक्रिया बिना किसी परेशानी के संपन्न हुई और प्रशासन ने पूरी सहायता प्रदान की।

स्वस्थ भारत से ही विकसित भारत का निर्माण संभव: नड्डा

नई दिल्ली/एजेंसी

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने मंगलवार को कहा कि स्वस्थ भारत से ही विकसित भारत का निर्माण संभव है। देश में निवारक स्वास्थ्य देखभाल को अब ज्यादा महत्व दिया जा रहा है, ताकि लोग गंभीर बीमारियों से पहले ही सुरक्षित रह सकें। स्वस्थ भारत ही विकसित भारत की नींव है और इस दिशा में सरकार लगातार काम कर रही है। मंगलवार को जे पी नड्डा इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड बिलियरी साइंसेज(आईएलबीएस)के 10वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर दोनों पर समान रूप से ध्यान दिया है। उनके अनुसार, हार्डवेयर का मतलब है अस्पताल, मेडिकल कॉलेज और आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार, जबकि सॉफ्टवेयर का अर्थ है बेहतर नीतियां, प्रशिक्षण और ऐसा शैक्षणिक माहौल जो डॉक्टरों और शोधकर्ताओं को आगे बढ़ने में मदद करे।

भारत के इतिहास में डॉ.मुखर्जी एक ऐसे नाम हैं जिनके लिए देश की एकता और अखंडता से बढ़कर कुछ भी नहीं था-दिनेश

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी (ब्यूरो चीफ)। नगर पालिका परिषद मंझनपुर स्थित मंगलम गेस्ट हाउस में आयोजित डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी जयंती संस्मरण पक्ष के संदर्भ में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन को बतौर मुख्यातिथि नवनियुक्त प्रदेश प्रवक्ता दिनेश प्रताप सिंह,जिला प्रभारी अवधेश चंद्र गुप्ता,जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य ने संबोधित किया।

मुख्यतिथि प्रदेश प्रवक्ता दिनेश प्रताप सिंह ने संबोधित करते हुए कहा कि आजाद भारत के इतिहास में डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी एक ऐसे नाम हैं,जिनके लिए देश की एकता और अखंडता से बढ़कर कुछ भी नहीं था। उत्तर में कश्मीर से लेकर पूर्व में बंगाल तक,उन्होंने देश की इंच-इंच भूमि के लिए संघर्ष किया और जम्मू-कश्मीर से दो प्रधान,दो विधान,दो निशान समाप्त करने के संघर्ष में शहीद तक हो गए।

किसी भी राष्ट्र के इतिहास में बहुत कम ऐसे महापुरुष हुए हैं जिन्होंने ने इतने छोटे से जीवनकाल में इतना विशाल काम इतनी गहरी वैचारिक स्पष्टता और इतना बड़ा सर्वोच्च बलिदान समाहित दिया हो डॉ. मुखर्जी का जीवन हमें सिखाता है कि वास्तविक जनसेवा क्या होती है ऐसी तमाम बातों को विस्तार पूर्वक बताया इसी क्रम में जिला प्रभारी अवधेश चंद्र गुप्ता ने

संबोधित करते हुए कहा कि डॉ.मुखर्जी के राजनीतिक जीवन की सबसे बड़ी और ऐतिहासिक परिणति 05 अगस्त 2019 को हुई जब मोदी सरकार ने उनके बलिदान के 66 वर्ष बाद अनुच्छेद 370 को हमेशा के लिए समाप्त कर दिया ऐसी तमाम बातों को बताया इसी क्रम में जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य ने कहा कि भारतीय जनसंघ के संस्थापक,प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक और माँ भारती की अखंडता के लिए अपना सर्वस्व समर्पित करने वाले डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी का नारा एक देश में दो विधान,दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे का उनका संकल्प केवल एक नारा नहीं,बल्कि राष्ट्र की एकता और अखंडता का अटल संकल्प था। जम्मू-कश्मीर के पूर्ण एकीकरण के लिए उनका संघर्ष और बलिदान भारतीय इतिहास में अमिट रूप से अंकित है।डॉ.मुखर्जी जी ने भारतीय जनसंघ की स्थापना कर राष्ट्रवादी विचारधारा को एक सशक्त दिशा दी और अपने विचारों,साहस एवं त्याग से राष्ट्र प्रथम की भावना को जन-जन तक पहुँचाया।

उनका जीवन और बलिदान हमें सदैव यह प्रेरणा देता रहेगा कि राष्ट्रहित सर्वोपरि है,और भारत की एकता,अखंडता एवं स्वाभिमान के लिए हर संभव प्रयास करना ही उनके जीवन को सच्ची श्रद्धांजलि है। इस मौके पर सभी सम्मानित पदाधिकारीगण,जनप्रतिनिधिगण,मण्डल अध्यक्ष,मण्डल महामंत्री,मोर्चा जिलाध्यक्ष/महामंत्री,शक्तिकेंद्र संयोजक,बूथ अध्यक्षगण व देवतुल्य पार्टी कार्यकता उपस्थित रहें।

व्यापारी समाज अर्थव्यवस्था की रीढ़ है उनकी हर छोटी-बड़ी समस्या का समाधान करना प्राथमिकता- रागिनी

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी (ब्यूरो चीफ)। नगर पंचायत दारानगर कड़ाधाम कार्यालय में मंगलवार को नगर पंचायत अध्यक्ष रागिनी देवी की अध्यक्षता में व्यापार मंडल की एक बैठक आयोजित की गई। इस दौरान नगर क्षेत्र के व्यापारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और स्थानीय स्तर पर आ रही अपनी विभिन्न समस्याओं को प्रमुखता से रखा।बैठक में व्यापारियों ने नगर क्षेत्र में साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, जलभराव और बाजारों में सुरक्षा व्यवस्था जैसे कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने कहा कि व्यापारियों को बेहतर माहौल मिलने से न केवल व्यापार बढ़ेगा बल्कि नगर का विकास भी तेजी से होगा।व्यापारियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए नगर अध्यक्ष रागिनी देवी ने कहा कि व्यापारी समाज अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। उनकी हर छोटी-बड़ी समस्या का समाधान करना नगर पंचायत की प्राथमिकता है। उन्होंने आश्वस्त किया कि उठाए गए सभी मुद्दों पर जल्द से जल्द सकारात्मक कार्रवाई की जाएगी।इस अवसर पर वरिष्ठ लिपिक शिवम मौर्य, भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष अरुण केशरवानी, नीरज साहू, अनूप शुक्ला, उमेश कुमार, श्यामू अग्रहरि आदि लोग उपस्थित रहे।

एसडीएम ने ग्राम अलीपुर में भूमि विवाद की शिकायतों का मौके पर ही कराया निस्तारण

स्वाती मिश्रा
सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । राजस्व टीम कौशाम्बी द्वारा "टॉप 10 भूमि विवादों का मौके पर समाधान" अभियान के अंतर्गत उप जिलाधिकारी,मंझनपुर आकाश सिंह ने आज ग्राम चक सैयद अलीपुर में कैम्प आयोजित कर राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा भूमि विवाद से संबंधित शिकायतों का ग्राम स्तर पर ही त्वरित निस्तारण सुनिश्चित कराया गया।

कैम्प में शिकायतकर्ता बबलू विश्वकर्मा की शिकायत पर राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम ने ग्राम की गाटा संख्या 169, चकमार्ग की पैमाइश कर चिन्हित किया। इसी प्रकार शिकायतकर्ता नत्थू की शिकायत पर राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम ने ग्राम की गाटा संख्या 172, नाली की पैमाइश कर चिन्हित किया। शिकायतकर्ता परमेश कुमार की शिकायत पर राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम ने ग्राम की गाटा संख्या 75, नवीन परती भूमि की पैमाइश कर चिन्हित किया।

उप जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि भविष्य में भी इसी प्रकार संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथ जनता की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जाए।

चोरी का अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से चोरी का स्टार्टर व तार बरामद

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर। थाना कल्यानपुर पर वादी भानु प्रताप सिंह पुत्र जयकरन सिंह निवासी ग्राम पहरवापुर थाना कल्यानपुर जनपद फतेहपुर द्वारा दी गई तहरीर में अवगत कराया गया कि दिनांक 27.06.2026 को लगभग 12:30 बजे उनके खेत में लगे ट्यूबवेल से स्टार्टर को अमन पुत्र रतन सिंह निवासी नैहरारा डेरा थाना जहानाबाद जनपद फतेहपुर चोरी करके भाग रहा था, जिसे ग्रामीणों द्वारा दौड़ाकर पकड़ लिया गया। पूछताछ करने पर अभियुक्त द्वारा बताया गया कि उसके साथ प्रियांशु पुत्र विजय बहादुर तथा विक्की पुत्र विजय बहादुर निवासी छोटेलालपुर थाना बिन्दकी जनपद फतेहपुर भी चोरी में शामिल थे तथा वे स्टार्टर व तार लेकर भाग गए।

अमन उपरोक्त, जिसकी उम्र लगभग 12 वर्ष है, को समझाइश/हिदायत देकर नियमानुसार उसके परिजनों के सुपुर्द किया गया।

पुलिस अधीक्षक फतेहपुर के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण बनाए रखने हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में तथा अपर पुलिस अधीक्षक जनपद फतेहपुर के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी बिंदकी के कुशल नेतृत्व में थाना कल्यानपुर पर पंजीकृत मु0अ0सं0 149/2026 धारा 303(2) बीएनएस की विवेचना एवं प्रभावी सुरागरसी/पतारसी के क्रम में प्रकाश में आए अभियुक्त को मुखबिर की सूचना पर थाना कल्यानपुर पुलिस द्वारा मंगलवार को अमौली से जहानाबाद रोड स्थित पुलिया के पास से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त जावेद उर्फ अशरफ पुत्र मुस्ताफ उर्फ कल्लू निवासी अमौली थाना चाँदपुर जनपद फतेहपुर, उम्र 32 वर्ष के कब्जे से चोरी का एक स्टार्टर, जिस पर PROTEX लिखा हुआ है, तथा उसी में लगा पीला-लाल रंग का लगभग 02 मीटर तार बरामद हुआ।

एसपी ने सेवानिवृत्ति में पुलिसकर्मियों को सासम्मान की विदाई

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर । मंगलवार को रिजर्व पुलिस लाइन के सम्मेलन कक्ष में अधिवर्षता आयु पूर्ण कर पुलिस सेवा से सेवानिवृत्त होने वाले पुलिस अधिकारी/कर्मचारीगण के उपलक्ष्य में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अभिमन्यु मांगलिक एवं क्षेत्राधिकारी लाइन रवि प्रकाश द्वारा अधिवर्षता आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए निरी0 ना0पु0 राम केवल पटेल, उ0नि0 ना0पु0 नीतिराज सिंह तथा उर्दू अनु0 कलीम अंसारी को फूलमाला पहनाकर शॉल, घड़ी एवं उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। समारोह में प्रतिसार निरीक्षक एवं अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

नाबालिग को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने वाला अभियुक्त गिरफ्तार, पीडिता बरामद

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । तीन दिन पहले रात्रि में थाना कोखराज पर वादिनी द्वारा सूचना दी गयी कि मेरी नाबालिग पुत्री को आरोपी अलीन पुत्र छैप्पला बहला फुसला कर भगा ले गया है । प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना कोखराज में तत्काल सुसंगत धाराओं मे अभियोग पंजीकृत किया गया था । पीड़िता को सकुशल बरामद कर लिया गया है । उपरोक्त क्रम में मंगलवार को थाना कोखराज पुलिस टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए सर्विलांस/सीडीआर की मदद से मुखबिर खास की सूचना के आधार पर मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त अलीन उर्फ अनिल पुत्र छैला निवासी करारी रोड़ पावर हाउस गौशाला थाना कोखराज जनपद कौशाम्बी को नौढ़िया मोड़ के पास से गिरफ्तार किया गया है ।

पिपरी पुलिस द्वारा वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार

कौशांबी। पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये गये अभियान के क्रम में थाना पिपरी पुलिस टीम द्वारा विद्युत अधिनियम थाना पिपरी जनपद कौशाम्बी से सम्बन्धित वारण्टी अभियुक्त पप्पू सिंह पुत्र कृष्णा सिंह निवासी मखऊपुर थाना पिपरी जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया गया ।

कोतवाली में खुद को आग लगाने वाली युवती की मौत, आरोपी की तलाश में कश्मीर पहुंची पुलिस

संजीव विश्वकर्मा
सबसे तेज प्रयागराज
बिजनौर। कोतवाली शहर परिसर में खुद को आग लगाकर गंभीर रूप से झुलसी युवती ने आठ दिन तक जिंदगी और मौत से संघर्ष करने के बाद दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। युवती की मौत के बाद मामले में फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास तेज कर दिए गए हैं। पुलिस की दो टीमें मुख्य आरोपी की तलाश में कश्मीर पहुंची हैं।

जानकारी के अनुसार 21 जून की रात किरतपुर थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली युवती ने शहर कोतवाली परिसर में अपने ऊपर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा ली थी। गंभीर रूप से झुलसी

युवती को पहले मेरठ और बाद में दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल रेफर किया गया था, जहां उसका उपचार चल रहा था। उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

मामले में युवती ने वर्ष 2024 में सौरभ, संजू, मनोज देवी, गौरव और कलवा निवासी स्वाहेड़ी के खिलाफ शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने जांच के बाद सितंबर 2024 में अंतिम रिपोर्ट लगा दी थी। इसके बाद वर्ष 2025 में युवती ने आर्मी के जवान सौरभ के खिलाफ विवाह का झांसा देकर संबंध बनाने का आरोप लगाते हुए एक और मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने विवेचना पूरी कर एक मई 2026 को आरोप पत्र अदालत में दाखिल किया, जिस पर 16 जून को न्यायालय ने संज्ञान लिया। इस बीच आरोपी पक्ष ने उच्च न्यायालय से गिरफ्तारी पर स्थगन आदेश प्राप्त कर लिया।

घटना के दिन युवती अपनी मां के साथ शहर कोतवाली पहुंची थी और आरोपियों द्वारा धमकी दिए जाने की शिकायत करते हुए सौरभ के पिता और चाचा को थाने बुलाने की मांग की थी। पुलिस द्वारा बाद में बुलाकर बातचीत कराने की बात कहे जाने के बाद युवती ने खुद को आग लगा ली थी।

घटना के बाद तत्कालीन थाना प्रभारी अमर सिंह राठौर को निलंबित कर दिया गया था। युवती की मां की तहरीर पर सौरभ, गौरव, संजय, कलवा, मनोज और रेनू के खिलाफ उत्पीड़न और धमकी सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। इनमें से कलवा को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। वहीं मुख्य आरोपी और उसके भाई की गिरफ्तारी के लिए बिजनौर पुलिस की दो टीमें कश्मीर पहुंचकर सेना के अधिकारियों से समन्वय कर रही हैं।

पुलिस के प्रयास से पति-पत्नी साथ रहने के हुए राजी

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अभिमन्यू मांगलिक के निर्देशन में महिला सहायता प्रकोष्ठ/परिवार परामर्श केंद्र पुलिस लाइन, जनपद फतेहपुर में पति-पत्नी के मध्य पारिवारिक विवाद से संबंधित मामलों में मध्यस्थता/ काउंसलिंग की दैनिक कार्यवाही के क्रम में मंगलवार को प्रभारी निरीक्षक संगीता सिंह व काउंसलर श्रीमती कविता रस्तोगी जी द्वारा 01 प्रकरण में समझौता कराया गया व सहयोगार्थ म0आ0 शिप्रा पाठक व म0आ0 यशस्वी शर्मा मौजूद रहीं।

रांग साइड से आ रही लक्जरी कार डिवाइडर पर चढ़कर पलटी, 12 लोग घायल

सबसे तेज प्रयागराज
कौशाम्बी। सैनी कोतवाली क्षेत्र के अझुवा कस्बे में रविवार को देर रात्रि एक तेज रफ्तार कार रांग साइड से आते समय अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ गई और पलट गई। हादसे में कार सवार सभी लोगों को हल्की चोटें आईं। सूचना पर पहुंची अझुवा चौकी पुलिस ने घायलों को एंबुलेंस से अस्पताल भेजवाया।जानकारी के अनुसार चालक मानसिंह मौर्य पुत्र घनश्याम निवासी रसूलपुर गिरसा थाना कोखराज अपनी कार वढ83 अउ 7365 से अजय कुमार पुत्र देवराज निवासी रसूलपुर गिरसा, अंसधारी पुत्र गंगाराम, अभिषेक पुत्र मेदीलाल निवासी भैला मकदूमपुर थाना करारी सहित कुल 12 लोगों (चार पुरुष, चार महिलाएं और चार बच्चों)के साथ कनवार थाना सैनी से दावत खाकर भैला मकदूमपुर लौट रहे थे। कार सवार ज्योंहि अझुवा कस्बा पहुंचा खत्म हुए डिवाइडर पर अनियंत्रित होकर पलट गई,चीख पुकार पर स्थानीय निवासी मौके पर पहुंचे और राहत बचाव में जुटते हुए चौकी पुलिस को सूचना दी हादसे में कार सवार सभी लोगों तथा अंकित नामक युवक को मामूली चोटें आईं। सूचना पर अझुवा चौकी पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और सभी घायलों को एंबुलेंस के माध्यम से अस्पताल भिजवाया।नगरवासियों के अनुसार दुर्घटना का मुख्य कारण वाहन का रांग साइड से आना बताया जा रहा है। गनीमत रही कि हादसे में किसी को गंभीर चोट नहीं आई, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था।

डीजे डीएम एसएसपी ने जिला कारागार का किया औचक निरीक्षण

सबसे तेज प्रयागराज
बुलंदशहर । मंगलवार को जिला जज संजय सिंह, जिलाधिकारी कुमार हर्ष, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से मॉनिटरिंग सैल की मासिक गोष्ठी आयोजित की गयी तथा सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये।

इसके उपरान्त जिला जज संजय सिंह के नेतृत्व में जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा राजकीय सम्प्रेक्षण गृह (किशोर) का औचक निरीक्षण करते हुए बाल अपचारियों को सम्प्रेक्षण गृह प्रशासन द्वारा दी जा रही सुविधाओं का जायजा लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। तत्पश्चात जिला कारागार का निरीक्षण कर दी जा रही सुविधाओं का जायजा लिया गया तथा सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गये। इस अवसर पर सम्बन्धित अधिकारीगण मौजूद रहे।

मांगो को लेकर अड़े अधिवक्ता एवं दस्तावेज लेखक, 21वें दिन भी जारी रहा धरना

हाथरस। सादाबाद में ई-रजिस्ट्री व्यवस्था के विरोध में अधिवक्ताओं, दस्तावेज लेखकों और स्टांप वेंडरों का आंदोलन मंगलवार को 21वें दिन भी जारी रहा। उपनिबंधक कार्यालय पर बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी एकत्रित हुए और प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। उन्होंने ई-रजिस्ट्री व्यवस्था को वापस लेने की मांग की, जिसे वे आम जनता और रजिस्ट्री कार्य से जुड़े लोगों के लिए परेशानी का कारण बता रहे हैं।

धरना-प्रदर्शन में शामिल होने पहुंचे पूर्व प्रांतीय लेखा परीक्षक श्याम सुंदर गिरी का दस्तावेज लेखकों और अधिवक्ताओं ने स्वागत किया। उन्होंने आंदोलनकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी एकजुटता के कारण सरकार को अपनी कई कमियों को स्वीकार करना पड़ा है। गिरी ने दावा किया कि सरकार ने आंदोलनकारियों की लगभग 90 प्रतिशत मांगें मान ली हैं। श्याम सुंदर गिरी ने बताया कि वर्ष 2024 में सरकार द्वारा लाए गए विधेयक में कई खामियां थीं।

सरकार ने अब इन खामियों को स्वीकार कर लिया है और उनमें सुधार के लिए प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजा जा रहा है।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आंदोलन कारियों की एकता से जल्द ही पूरी जीत मिलेगी और सरकार को अपने फैसले पर पुनर्विचार करना होगा। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि ई-रजिस्ट्री व्यवस्था लागू होने से आम लोगों को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके साथ ही, दस्तावेज लेखकों और स्टांप वेंडरों के सामने रोजगार का संकट भी खड़ा हो गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक सरकार उनकी सभी मांगें पूरी नहीं करती और ई-रजिस्ट्री व्यवस्था वापस नहीं लेती, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। धरने के दौरान उपनिबंधक कार्यालय परिसर में काफी देर तक नारेबाजी होती रही, जिसमें प्रदर्शनकारियों ने अपनी मांगों के समर्थन में एकजुटता का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर दस्तावेज लेखक के पूर्व सहायक लेखा परीक्षक श्याम सुन्दर गिरी, अध्यक्ष राजकमार दीक्षित, टीवी सिंह आदि मौजूद रहे।

पुलिस कमिश्नर ने 04 उप निरीक्षक व 04 अन्य कर्मचारियों को सेवानिवृत्त होने पर दी भावभीनी विदाई

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी पुलिस कार्यालय कमिश्नरेट में सेवानिवृत्त हो रहे कर्मचारियों के सम्मान में मंगलवार को भावपूर्ण विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने उप निरीक्षक जंग बहादुर यादव (ज्ञानवापी सुरक्षा), उप निरीक्षक महेन्द्र कुमार सिंह (पुलिस लाइन), उप निरीक्षक अशोक कुमार सिंह (न्यायालय सुरक्षा), उप निरीक्षक शशि कुमार कुँवर (अभिसूचना शाखा), मुख्य आरक्षी प्रद्युम्न प्रसाद (अभिसूचना शाखा), मुख्य आरक्षी सुमन कुमार सिंह (न्यायालय सुरक्षा), स्वीपर सीता देवी (पुलिस लाइन) व अर्दली प्यून उमेश चन्द्र पाण्डेय (पुलिस लाइन) को उनके दीर्घ, उत्कृष्ट एवं समर्पित सेवाकाल के लिए सम्मानित किया और भावभीनी विदाई दी।

अयोध्या दर्शन से पहले, कांग्रेस जिलाध्यक्ष समेत कई पदाधिकारी किए गए हाउस अरेस्ट

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी (ब्यूरो चीफ)। चायल विधानसभा के अन्तर्गत नगर पंचायत चरवा में जिलाध्यक्ष कांग्रेस गौरव पाण्डेय समेत कई पदाधिकारी और कार्यकताओं को पुलिस द्वारा हाउस अरेस्ट कर लिया गया मामला यह था कि उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल के साथ अयोध्या स्थित राम मन्दिर दर्शन,पूजन के लिए पहुंचना था लेकिन पुलिस प्रशाशन द्वारा प्रदेश के कई जिलों के जिलाध्यक्षों और कार्यकताओं को हिरासत में ले लिया गया !

इसपर जिलाध्यक्ष कांग्रेस गौरव पाण्डेय ने बताया कि आज हम सभी अपने उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय एवं सासंदगणों,विधायकों के साथ अयोध्या में दर्शन का कार्यक्रम सुनिश्चित था लेकिन भाजपा सरकार पूरी तरह से तानाशाही पर उतारू है अब भगवान के दर्शन पूजन पर भी रोक टोक और गिरफ्तारी करवाना यह साफ दशार्ता है भाजपा सदैव की तरह आज भी तानाशाही के रास्ते को अपनाया। जनता के चढ़ावे के पैसे का घोटाला कर भगवान राम को भी नहीं छोड़ा और जनता की भावनाओं को ठेस पहुंचाया इनका मकसद रहा है कि लुटेरों को संरक्षण

और सुरक्षा देना भाजपा सरकार की मंशा रही है लेकिन यह भी सत्य है कि ईश्वर के घर देर है अंधेर नहीं। ऐसी भाजपा सरकार को भगवान राम और देश की जनता अब कभी माफ नहीं करेगी।

जिलाध्यक्ष गौरव पाण्डेय के साथ हाउस अरेस्ट होने वालों में पूर्व प्रदेश सचिव रामबहादुर त्रिपाठी,जिला उपाध्यक्ष मनोज सिंह पटेल,दीपक पाण्डेय,जिला महासचिव सुरेन्द्र शुक्ला, श्याम सिंह भदौरिया,जिला सचिव जयप्रकाश जायसवाल,सोसल मीडिया जिलाध्यक्ष सचिन पाण्डेय,नगर अध्यक्ष चरवा निक्की पाण्डेय युवा कांग्रेस के सचिव कृष्णा यादव,फ्रंटक विभाग के अध्यक्ष आयूष यादव,अर्पित त्रिपाठी,सिराथू ब्लाक अध्यक्ष प्रियांशू कुमार,रोहित सिंह आदि को पुलिस ने हाउस अरेस्ट किया। साथ जिले में भिन्न भिन्न जगहों से कांग्रेस के पदाधिकारी हाउस अरेस्ट किए गए।

जिसमें जिला उपाध्यक्ष आशीष मिश्रा पप्पू,राम सूरत रैदास,नैय्यर रिजवी, कुलदीप शुक्ला ,उदय यादव ,जिला महासचिव शशि त्रिपाठी, आसिफ अल्वी,अर्श खुर्शीद,सन्तोष शुक्ला,कड़ा ब्लाक अध्यक्ष रफीक अहमद, नेवादा ब्लॉक अध्यक्ष रावेन्द्र यादव, मोहम्मद नोमान मूरत गंज ब्लॉक अध्यक्ष, राज बहादुर पासी,सरसावां ब्लॉक अध्यक्ष भागीरथी पटेल जिला सचिव रमेश यादव,सहित कार्यकर्ता और पदाधिकारी हिरासत में लिए गए है।

रामदुलारी बच्चूलाल जायसवाल पीजी कॉलेज में आयोजित हुआ 'गौरव सम्मान समारोह–2026

अग्निवीर बने पूर्व एनसीसी कैडेटों का हुआ भव्य सम्मान

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। रामदुलारी बच्चूलाल जायसवाल पीजी कॉलेज में सोमवार को ह्यगौरव सम्मान समारोह–2026' का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में एन.सी.सी के रवि कुमार ,सिद्धार्थ शरद अग्रहरि ,अमन गौतम ,अभिषेक यादव और सुधांशु मिश्रा को सम्मानित किया गया, जिन्होंने भारतीय सेना की अग्निवीर भर्ती में चयनित होकर सफलतापूर्वक अपना सैन्य प्रशिक्षण पूर्ण किया तथा देश सेवा के लिए अपने कदम आगे बढ़ाए। कार्यक्रम में देशभक्ति एवं उत्साह का वातावरण देखने को मिला।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कर्नल निशांत बरियार, कमान अधिकारी, 16 यूपी बटालियन एनसीसी, प्रयागराज तथा जायसवाल ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशंस के प्रबंधक लक्ष्मी नारायण जायसवाल ने संयुक्त रूप से अग्निवीरों को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने चयनित युवाओं को उनकी उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि एनसीसी अनुशासन, नेतृत्व, राष्ट्रभक्ति एवं सेवा की भावना विकसित करने का सर्वोत्तम माध्यम है।

उन्होंने कहा कि अग्निवीर देश का गौरव हैं और उनकी सफलता वर्तमान कैडेटों के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने सभी युवाओं से जीवन में अनुशासन, समर्पण और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने का आह्वान किया।

प्रबंधक लक्ष्मी नारायण जायसवाल ने अपने संबोधन में अग्निवीरों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि संस्थान अपने विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ राष्ट्रीय सेवा एवं व्यक्तित्व विकास के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने भविष्य में भी विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण एवं हरसंभव सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया।

समारोह के दौरान लेफ्टिनेंट आशुतोष कुमार एवं सूबेदार मेजर सीताराम ने सभी सम्मानित अग्निवीरों का मुँह मीठा कराकर उनकी सफलता की शुभकामनाएँ दीं। वहीं ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल की प्रबंधिका पूजा जायसवाल ने डायरी एवं पेन भेंट कर सभी अग्निवीरों का अभिनंदन किया।

कार्यक्रम में प्रधानाचार्य चन्द्रभान मौर्य, एनसीसी प्रभारी सोनू कुमार केसरवानी, सीटीओ सुमन पटेल, सीटीओ स्वदेश पटेल एवं सपना साहू सहित शिक्षकों, एनसीसी कैडेटों एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम का प्रभावी एवं सफल संचालन यूपी पुरा एनसीसी कैडेट एसोसिएशन के अध्यक्ष मधुकर ने किया। समारोह के अंत में सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों ने सम्मानित अग्निवीरों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उनके साहस, समर्पण और राष्ट्रसेवा के संकल्प की सराहना की।

भाजपा अध्यक्ष काशी क्षेत्र का भाजपा कार्यकताओं ने किया स्वागत

सबसे तेज प्रयागराज
फाफामऊ। भाजपा काशी क्षेत्र के नव निर्वाचित अध्यक्ष अशोक चौरसिया का प्रथम प्रयागराज आगमन पर भाजपा कार्यकताओं ने जिला मीडिया प्रभारी उमेश तिवारी के नेतृत्व में भव्य स्वागत किया मलका तिराहे पर काशी क्षेत्र अध्यक्ष को फूल मालाओं से लाद दिया गया नव निर्वाचित अध्यक्ष ने सभी कार्यकताओं से मुलाकात कर उनका परिचय प्राप्त किया उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ता आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट जाएं। इस अवसर पर मुख्य रूप से भाजपा जिलाध्यक्ष गंगापार निर्मला पासवान, जिला मीडिया प्रभारी उमेश तिवारी जिला मंत्री राजू पाल, दीपक त्रिपाठी, कुलदीप सोनी, नीरज त्रिपाठी,गुड्डू राजा, सुरेन्द्र पटेल, अंकित मिश्रा कप्तान पटेल, राजत मिश्रा,अनिल पटेल सत्यम शुक्ला, मोहित शुक्ला, आदि मौजूद रहे।

एक वांछित व एक वारंटी समेत दो गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। पुलिस आयुक्त जोगेंद्र कुमार के निर्देश पर थाना जाटार्टाउन व थाना हंडिया पुलिस वारंटी की तलाश में एक-एक वारंटी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

थाना हण्डिया पुलिस टीम द्वारा वारण्टी अभियुक्त विजय कुमार उर्फ बाबा उर्फ गोविन्दा पुत्र स्व0 राजेन्द्र प्रसाद निवासी भिदउरा बमैला थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना हण्डिया क्षेत्रान्तर्गत उसके निवास ग्राम भिदउरा बमैला के पास से गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी ।

इसी प्रकार थाना जार्जटाउन पुलिस द्वारा भारतीय न्याय संहिता व 7/13(3) उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम 1998 से सम्बन्धित वांछित 01 अभियुक्त भानुप्रताप पुत्र अयोध्या प्रसाद उर्फ चुन्नीलाल उर्फ चुरफुन्नी निवासी ग्राम भैदपुर , थाना धाता, पोस्ट धाता, जनपद फतेहपुर को मुखबिर की सूचना पर मंगलवार को विद्यावाहिनी बस अड्डे के पास थाना क्षेत्र जार्जटाउन से गिरफ्तार किया गया । नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी।

उल्लेखनीय है कि उक्त अभियुक्त भानु प्रताप द्वारा दिनांक- 15.12.2024 को आयोजित की गई CTET-2024 परीक्षा में अपने स्थान पर फर्जी तरीके से दूसरे परीक्षार्थी को बैठाकर परीक्षा दिलवाई जा रही थी, जिसके संबंध में जगत तारण इण्टर कालेज की केन्द्र व्यवस्थापक वादिनी श्रीमती रति अस्थाना द्वारा थाना जॉर्जटाउन पर तहरीर प्रस्तुत कर उक्त अभियोग पंजीकृत करवाया गया था।

चोरी के दो मोबाइल के साथ चोर गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज । पुलिस महानिदेशक रेलवे , पुलिस महानिरीक्षक रेलवे प्रयागराज, पुलिस अधीक्षक रेलवे प्रयागराज द्वारा रेलवे स्टेशन, सकुर्लेटिंग एरिया एवं ट्रेनो में बढ़ती चोरी/छिनैती की घटनाओं की रोकथाम, अवैध तस्करी एवं अपराधियों की गिरफ्तारी व बरामदगी के मद्देनजर चलायें जा रहे अभियान के क्रम में क्षेत्राधिकारी रेलवे प्रयागराज के निकट पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक अकलेश कुमार सिंह थाना जीआरपी प्रयागराज के कुशल नेतृत्व में उ0नि0 उदयभान सिंह प्रभारी चौकी फाफामऊ थाना जीआरपी प्रयागराज व आरपीएफ की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा रेलवे स्टेशन प्रयागराज के पीएफ नं0-01 दिल्ली इंड की तरफ रेलवे कालोनी गेट के पास से समय करीब 11.40 बजे शातिर/अभ्यस्त 01 नफर अभियुक्त अलहिम शेख पुत्र मन्नी शेख उपरोक्त के कब्जे से चोरी की दो मुकदमों की अलग अलग 02 अदद मोबाइल बरामद करते हुए गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा हैं।

आईजीआरएस पोर्टल पर निस्तारण न होने पर डीएम ने जतायी कड़ी नाराजगी

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। डीएम मनीष कुमार वर्मा के द्वारा आईजीआरएस पोर्टल पर की जाने वाली जनशिकायतों के प्रभावी व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु आईजीआरएस के संदर्भों में नियत समयावधि के अंदर जांचकर्ता अधिकारी द्वारा शिकायकर्ता के मोबाइल पर सम्पर्क करने, उनका नियमानुसार निस्तारण व समाधान कराने के निर्देश दिए गए थे। उक्त की जांच हेतु जिलाधिकारी के द्वारा स्वयं एवं उच्चाधिकारियों के द्वारा रैण्डमली शिकायतकताओं से वार्ता की गयी, जिसमें संज्ञान में आया कि निदेशों के बावजूद भी जांचकर्ता अधिकारियों के द्वारा शिकायतकर्ता के मोबाइल नम्बर पर सम्पर्क तो किया गया, किंतु सम्बंधित अधिकारी द्वारा उनकी शिकायत में अंकित तथ्यों का निस्तारण व समाधान नहीं किया गया है, जिसपर जिलाधिकारी के द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त की गयी।

जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी मेजा, हण्डिया, अधीक्षण अभियंता विद्युत वितरण खण्ड नगरीय (नोडल), अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खण्ड यमुनापार एवं गंगापार, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग प्रा0ख0, अधिशासी अधिकारी फूलपुर, बंदोबस्त अधिकारी, अधिशासी अभियंता जल निगम ग्रामीण, जिला समाज कल्याण अधिकारी सहित अन्य अधिकारियों को कारण बताओं नोटिस जारी करने तथा उन्हें तीन दिवस के भीतर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने एवं शिकायती प्रकरणों के सम्बंध में तत्काल नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने व कृतकार्यवाही से उन्हें अवगत भी कराये जाने के निर्देश दिए है।

खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति की बैठक में खिलाड़ियों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष जोर

खेल अवसंरचना के सुदृढ़ीकरण हेतु अनेक प्रस्तावों को मंजूरी

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज । मंडलायुक्त श्रीमती सौम्या अग्रवाल की अध्यक्षता में आयुक्त कार्यालय स्थित गांधी सभागार में मंडलीय खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में प्रयागराज विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष ऋषिराज, नगर आयुक्त साई तेजा, मुख्य विकास अधिकारी सुश्री हर्षिका सिंह, पुलिस अधीक्षक नीरज पांडेय तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने, खेल सामग्री एवं उपकरणों की उपलब्धता, आर्थिक सहायता, जल क्रीड़ाओं के विकास, खेल अवसंरचना के विस्तार, प्रशिक्षकों की उपलब्धता, खिलाड़ियों के आवासीय प्रबंध तथा खेल परिसरों के समग्र विकास सहित विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में मंडलायुक्त ने कहा कि मंडल के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए आवश्यक संसाधन, आधुनिक खेल अवसंरचना तथा गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी खेल प्रशिक्षकों के साथ समन्वय स्थापित कर प्रत्येक खेल से संबंधित उपकरणों, प्रशिक्षण एवं आधारभूत संरचना की आवश्यकताओं का विस्तृत आकलन तैयार करने तथा प्रत्येक खेल के समग्र विकास के लिए कार्ययोजना प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। साथ ही मंडल स्तर पर प्रत्येक खेल का वार्षिक प्रतियोगिता कैलेंडर तैयार कर नियमित इंटर-स्कूल एवं मंडलीय प्रतियोगिताओं का आयोजन सुनिश्चित करने पर बल दिया, ताकि प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें आगे बढ़ाने के लिए निरंतर अवसर उपलब्ध कराए जा सकें।

मंडलायुक्त ने बहुउद्देशीय (मल्टी-पर्पज) इंडोर खेल सुविधाओं के विकास पर विशेष जोर देते हुए ऐसी आधारभूत संरचना विकसित करने के निर्देश दिए, जिसका उपयोग एक साथ विभिन्न खेलों के लिए किया जा सके। इसके लिए विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन एवं लागत का आकलन तैयार करने को कहा। उन्होंने मेयो हॉल के पीछे स्मार्ट सिटी द्वारा विकसित स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा कर आवश्यक अतिरिक्त व्यवस्थाओं के संबंध में विस्तृत प्रस्ताव नगर आयुक्त को प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। साथ ही बताया गया कि इस स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का संचालन भी शीघ्र प्रारंभ किया जाएगा।

कयाकिंग एवं कैनोइंग संघ द्वारा 06 जुलाई को आयोजित की जाने वाली प्रतियोगिता की तैयारियों की समीक्षा करते हुए सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध ढंग से पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए। वहीं रोइंग एसोसिएशन के पदाधिकारियों की बैठक में अनुपस्थिति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि खेलों के विकास के प्रति सभी संबंधित संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी एवं गंभीरता अपेक्षित है। बैठक में यह भी अवगत कराया गया कि रोइंग एसोसिएशन को उपलब्ध कराए गए उपकरणों का अब तक उपयोग नहीं किया गया है। इस पर मंडलायुक्त ने बिना उचित कारण बैठक में अनुपस्थित रहने तथा उपलब्ध कराए गए उपकरणों का उपयोग न किए जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए स्मार्ट सिटी द्वारा उपलब्ध कराए गए सभी उपकरण वापस लेकर उन्हें बोट क्लब में सुरक्षित रखवाने के निर्देश दिए।

उन्होंने अगली बैठक में मंडल के सभी क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारियों, बेसिक शिक्षा अधिकारियों एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों को आमंत्रित कर जनपदवार खेल गतिविधियों एवं उपलब्ध खेल सुविधाओं की समीक्षा करने के निर्देश दिए। साथ ही खेल परिसरों को आत्मनिर्भर (सेल्फ-सस्टेनेबल) बनाने के लिए आय के अतिरिक्त स्रोत विकसित करने की कार्ययोजना तैयार करने को कहा। खिलाड़ियों के आवास की आवश्यकता को देखते हुए उन्होंने केवल डॉरमेट्री के बजाय भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप एक आधुनिक एवं विशाल स्पोर्ट्स हॉस्टल विकसित करने पर बल दिया। इसके लिए आवश्यकता पड़ने पर भूमि चिन्हांकन कर पृथक बजट प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश भी दिए, ताकि भविष्य में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के आयोजन के दौरान खिलाड़ियों एवं टीमों के लिए पर्याप्त आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

बैठक में प्रयागराज के विभिन्न खेल परिसरों के विकास एवं खिलाड़ियों की सुविधाओं के विस्तार से संबंधित अनेक प्रस्तावों को अनुमोदन प्रदान किया गया। इसके अंतर्गत अमिताभ बच्चन स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, म्योहाल में लॉन टेनिस एवं बास्केटबॉल कोर्ट की प्रकाश व्यवस्था के उन्नयन, टेबल टेनिस हॉल में एयर कंडीशनर तथा खिलाड़ियों के लिए वाटर कूलर की स्थापना को स्वीकृति प्रदान की गई। मदन मोहन मालवीय स्टेडियम में जूडो एवं ताइक्वांडो खिलाड़ियों के लिए अभ्यास स्थल, टीन शेड, खेल सामग्री, वेटलिफ्टिंग उपकरण तथा पेयजल सुविधाओं के विकास को भी मंजूरी दी गई। वहां पर विद्युत व्यवस्था, पेयजल, वाटर कूलर एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं से संबंधित समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

जॉर्ज टाउन तरणताल में लगभग 250 खिलाड़ियों की क्षमता वाले हॉस्टल/डॉरमेट्री, सोलर लाइट, जल क्रीड़ा संबंधी आधारभूत सुविधाओं तथा कयाकिंग, कैनोइंग एवं रोइंग के लिए आवश्यक नौकाओं एवं उपकरणों की व्यवस्था को स्वीकृति प्रदान की गई। वहीं हैंडबॉल ग्राउंड, नैनी में खेल उपकरण, फ्लड लाइट, पेयजल तथा अन्य आधारभूत सुविधाओं के विकास संबंधी प्रस्तावों को भी अनुमोदित किया गया।

बैठक में स्मार्ट सिटी परियोजना के अंतर्गत विकसित खेल अवसंरचना की भी समीक्षा की गई। अवगत कराया गया कि फेज-1 एवं फेज-2 के अंतर्गत विकसित विभिन्न खेल परिसरों एवं कोर्टों का संचालन शीघ्र प्रारंभ किया जाएगा। फेज-1 के अंतर्गत हिन्दू महिला इंटर कॉलेज, के.पी. गर्ल्स इंटर कॉलेज, राजकीय इंटर कॉलेज (जीआईसी), कर्नलगंज इंटर कॉलेज, मैरी वाना मेकर गर्ल्स इंटर कॉलेज, मॉडल प्राइमरी स्कूल तथा सीएवी इंटर कॉलेज में बास्केटबॉल, बैडमिंटन, वॉलीबॉल एवं लॉन टेनिस कोर्ट विकसित किए गए हैं। इसी प्रकार फेज-2 के अंतर्गत भारत स्काउट गाइड स्कूल, सीएवी इंटर कॉलेज, डी.पी. गर्ल्स इंटर कॉलेज, प्रयाग महिला विद्यापीठ इंटर कॉलेज, प्रयाग महिला विद्यापीठ डिग्री कॉलेज तथा के.पी. इंटर कॉलेज में बास्केटबॉल, हॉकी एवं हैंडबॉल कोर्ट, मल्टी-पर्पज हॉल, टेबल टेनिस, सिंथेटिक बैडमिंटन, सिंथेटिक बास्केटबॉल, सिंथेटिक वॉलीबॉल, सिंथेटिक लॉन टेनिस कोर्ट तथा ट्रैक/वॉकिंग ट्रैक जैसी आधुनिक खेल सुविधाएं विकसित की गई हैं।

इसके अतिरिक्त स्मार्ट सिटी परियोजना के अंतर्गत इलाहाबाद विश्वविद्यालय में हॉकी टर्फ, वॉलीबॉल कोर्ट, लॉन टेनिस कोर्ट तथा बास्केटबॉल कोर्ट का निर्माण कराया गया है। वहीं मदन मोहन मालवीय स्टेडियम में 8-लेन सिंथेटिक एथलेटिक्स ट्रैक के साथ जूनियर लॉन टेनिस कोर्ट, लॉन टेनिस कोर्ट, वॉलीबॉल कोर्ट, रेसलिंग एरिया, हैंडबॉल कोर्ट तथा बास्केटबॉल कोर्ट सहित विभिन्न खेल सुविधाएं विकसित की गई हैं। बैठक में इन सभी खेल परिसरों का प्रभावी संचालन सुनिश्चित करते हुए खिलाड़ियों को शीघ्र उपलब्ध कराने तथा उनका अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

इफको फूलपुर इकाई में किया गया माक ड्रिल

मौजी लाल रावत
सबसे तेज प्रयागराज
फूलपुर। इफको फूलपुर इकाई में मंगलवार को आनसाइट इमरजेंसी प्लान का पूर्वाभ्यास (मॉक ड्रिल) किया गया। इस दौरान अमोनिया-2 के लो प्रेशर कोल्ड अमोनिया पम्प ढ3501अ की सील से अमोनिया रिसाव जैसी स्थिति पैदा की गई।

पहले रिसाव आरंभ हुआ उसके बाद अग्निशमन दल ने अमोनिया गैस को नियंत्रित करने का प्रयास किया एवं बचाव दल ने घायलों को अस्पताल पहुँचाया। इसके पश्चात स्थानीय प्रशासन व इफको प्रबंधन एवं समस्त विभागाध्यक्षों के साथ ऑनसाइट इमरजेंसी प्लान की समीक्षा बैठक की गई। समीक्षा

बैठक में वरिष्ठ महाप्रबंधक (इकाई प्रमुख) पी.के.सिंह ने कहा कि निरंतर अभ्यास से कमियों को दूर किया जा सकता है तथा सुरक्षा मानकों को और मजबूत किया जा सकता है। उन्होंने बेहतरीन पूर्वाभ्यास (मॉक ड्रिल) के लिए सभी को बधाई दिया।

इस दौरान अग्निशमन विभाग (इफको), गेल(इफको), स्थानीय प्रशासन, अग्निशमन विभाग उत्तर प्रदेश, सुरक्षा विभाग की टीमों ने पूर्वाभ्यास में सहयोग किया। पूर्वाभ्यास में फूलपुर फायर स्टेशन इंचार्ज अमरजीत यादव, विनोद कुमार (गेल), महाप्रबंधक क्रमशः पी.के.पटेल, रत्नेश कुमार, डॉ अनीता मिश्र, ए.के.गुप्ता,अरूण कुमार, संयुक्त महाप्रबंधक क्रमशः पी.के.वर्मा, आर.पी.यादव, एस.के.सिंह, पी.के.त्रिपाठी, संदीप गोयल, आशीष कुमार, संजय कुमार, शैलेश शेरकर, विनय विक्की,मुख्य प्रबंधक अग्नि एवं सुरक्षा विभाग संजीव कुमार ,विभागाध्यक्ष मानव संसाधन शम्भू शेखर, इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अनुराग तिवारी व महामंत्री स्वयम् प्रकाश, विवेक यादव, अनूप कुमार यादव एवं सम्बंधित विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

लोकसभा अध्यक्ष का मथुरा में हुआ भव्य स्वागत, जनप्रतिनिधियों से की मुलाकात

मथुरा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला मंगलवार शाम अपने संसदीय क्षेत्र कोटा से रेलवे स्टेशन मथुरा जंक्शन पहुंचे। मथुरा आगमन के बाद वे सड़क मार्ग से उत्तर प्रदेश पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो-अनुसंधान संस्थान (दुवासु), मथुरा के अतिथि गृह पहुंचे। इस दौरान उन्होंने जहां एक ओर जनप्रतिनिधियों के साथ संगठनात्मक बैठक की, वहीं दूसरी ओर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अभिजीत मित्रा से शिष्टाचार भेंट कर संस्थान की प्रगति पर चर्चा की।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के मथुरा आगमन पर उनका भव्य और आत्मीय स्वागत किया गया।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष और के.एम. यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति किशन चौधरी ने लोकसभा अध्यक्ष को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिह्न भेंट कर उनका जोरदार अभिनंदन किया। जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी ने

लोकसभा अध्यक्ष के साथ मथुरा-वृंदावन क्षेत्र के चहुंमुखी विकास, जनहित से जुड़ी विभिन्न स्थानीय समस्याओं और राष्ट्र निर्माण में क्षेत्रीय योगदान जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी ने कहा कि ओम बिरला का वात्सल्यपूर्ण स्नेह, कुशल मार्गदर्शन और उनका प्रेरणादायी व्यक्तित्व हम सभी कार्यकताओं और क्षेत्रवासियों के लिए सदैव ऊर्जा और प्रेरणा का मुख्य स्रोत है। उनका यह प्रवास क्षेत्र के विकास को नई दिशा देने में अत्यंत सहायक सिद्ध होगा।

इस गरिमामयी स्वागत समारोह के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी और क्षेत्र के गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे, जिन्होंने लोकसभा अध्यक्ष का स्वागत कर उनका आशीर्वाद लिया।

भेंट के दौरान कुलपति डॉ. अभिजीत मित्रा ने लोकसभा अध्यक्ष को विश्वविद्यालय की प्रमुख उपलब्धियों, अनुसंधान और भावी योजनाओं से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि संस्थान पशुचिकित्सा शिक्षा, पशु स्वास्थ्य, जैव सुरक्षा तथा देशी गोवंश के संरक्षण व संवर्धन के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। कुलपति ने विश्वविद्यालय को वैज्ञानिक उत्कृष्टता और नवाचार का केंद्र बनाने के लिए लोकसभा अध्यक्ष का मार्गदर्शन भी प्राप्त किया।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने दुवासु द्वारा पशुधन, ग्रामीण विकास और वैज्ञानिक अनुसंधान के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

NCC का 10 दिवसीय प्रशिक्षण कल से शुरू

सबसे तेज प्रयागराज
नवाबगंज/प्रयागराज। 17 उत्तर प्रदेश बटालियन एनसीसी प्रयागराज के तत्वाधान में संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर CATC–68 का आयोजन 1 जुलाई से 10 जुलाई 2026 तक राम यश पी0जी0 कॉलेज नवाबगंज के परिसर में आयोजित किया जाएगा। बटालियन के कमान अधिकारी ने बताया की शिविर में चार जनपदों (प्रयागराज, प्रतापगढ़, कौशांबी, चित्रकूट) के 600 चयनित एनसीसी कैडेट प्रतिभा करेंगे, इनमें सीनियर डिवीजन, सीनियर विंग, जूनियर डिवीजन एवं जूनियर विंग कैडेट्स शामिल है। अधिकारी ने बताया कि शिविर में ड्रिल हथियार प्रशिक्षण, मैप रीडिंग, आपदा प्रबंधन एवं नेतृत्व विकास का प्रशिक्षण दिया जाएगा। महाविद्यालय के प्रबंधक संगम मिश्रा ने बताया 17 यूपी बटालियन द्वारा हमारे महाविद्यालय को शिविर हेतु चुना जाना सम्मान की बात है, यह शिविर क्षेत्र के युवाओं में राष्ट्र सेवा की भावना जागृत करेगा, कैडेट्स के लिए आवास, भोजन एवं प्रशिक्षण की सभी व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं।

महाविद्यालय के सचिव विवेक मिश्रा ने बताया की एनसीसी युवाओं के चरित्र निर्माण का सशक्त माध्यम है, हमें विश्वास है की यह शिविर कैडेट्स को अनुशासन एकता और नेतृत्व का पाठ पढ़ाकर एक जिम्मेदार नागरिक बनाएगा। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 विकास कुमार ने कहा कि 10 दिनों तक कैडेट्स को सेना के अधिकारियों द्वारा व्यावहारिक प्रशिक्षण मिलेगा। यह उनके सर्वांगीण विकास के लिए सुनहरा अवसर है, महाविद्यालय परिवार शिविर की सफलता हेतु पूर्ण सहयोग करेगा।

डीएम ने व्यापारियों से दुकानों में फायर सेफ्टी से सम्बंधित नार्म्स का शत-प्रतिशत अनुपालन करने की अपील की

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। डीएम मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में नगर आयुक्त सीलम सांई तेजा व मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह की उपस्थिति में मंगलवार को नगर निगम के सभागार में जिला व्यापार बन्धु समिति की बैठक आयोजित की गयी, जिसमें प्रयागराज जनपद के व्यापार मंडलो के प्रतिनिधि एवं व्यापारीगण तथा विभिन्न विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे। बैठक में व्यापार मण्डल के प्रतिनिधियों के साथ उनकी समस्याओं एवं समाधानों पर विस्तार से चर्चा की गयी तथा व्यापारियों की समस्याओं के निस्तारण हेतु उनके सुझाव भी प्राप्त किए गए। जिलाधिकारी ने बैठक में व्यापारियों के द्वारा हैवी टैजफिक से जाम, साफ-सफाई, फायर सेफ्टी, वेण्डिंग जोन, पार्किंग व्यवस्था, दुकानों के सामने अवैध अतिक्रमण को हटाये जाने हेतु दिए गए महत्वपूर्ण सुझावों को सम्मिलित करते हुए सभी सम्बंधित अधिकारियों को व्यवस्थित योजना बनाये जाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में जिलाधिकारी ने सिविल लाइन क्षेत्र में ई-रिक्सा के संचालन पर सख्ती के साथ रोक लगाये जाने तथा लोगो के लिए वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में इलेक्ट्रिक बसों का संचालन कराये जाने तथा गाड़ियों को रोड पर अव्यवस्थित ढंग से न खड़ा होने देने के लिए कहा है। उन्होंने अवैध रूप से सड़क सीमा में पटरी पर जो दुकानें खोली है, जिनके कारण जाम लगता है, उन्हें हटाये जाने के लिए कहा है। उन्होंने मुख्य-मुख्य सड़कों पर वाहनों की पार्किंग पर रोक लगाये जाने हेतु प्रवर्तन दस्ते को सक्रिय रखने तथा प्रवर्तन की कार्रवाई में तेजी लाये जाने तथा मुख्य मार्गों पर अवैध रूप से पार्क किए गए वाहनों को टोइंग गाड़ियों से उठवाये जाने के लिए कहा है। उन्होंने सिविल लाइन क्षेत्र में बनी मल्टी लेवल

पार्किंग का पूरी क्षमता के साथ उपयोग कराये जाने के लिए कहा है।

बैठक में जिलाधिकारी ने उपस्थित सभी व्यापारियों से अपनी-अपनी दुकानों में फायर सेफ्टी से सम्बंधित नार्म्स का शत-प्रतिशत अनुपालन करने की अपील की और कहा की सभी व्यापारी अपने-अपने प्रतिष्ठानों में अग्निसुरक्षा सम्बंधी उपकरण क्रियाशील स्थिति में अवश्य रखे और उसके संचालन का प्रशिक्षण प्राप्त कर लें, जिससे कि आग से सम्बंधित दुर्घटना होने पर तुरंत ही उसपर कंट्रोल किया जा सके और आग की बड़ी घटना घटित होने से रोका जा सके।

बैठक में व्यापारियों के द्वारा चौक शरार्फा मार्केट में शौचालय की व्यवस्था, जर्जर व लटकते हुए बिजली के तारों को व्यवस्थित कराये जाने व बदले जाने, फाफामऊ में नगर निगम सीमा विस्तारित क्षेत्र में सीवर लाइन न होने के बावजूद टैक्स लिए जाने, महाकुम्भ के पश्चात शहर में पास व्यवस्था के माध्यम से माल वाहक व व्यवसायिक वाहनों की एंट्री, झूंसी व नैनी क्षेत्र में नगर निगम से सम्बंधित समस्यायें उठायी गयी, जिसके निस्तारण हेतु सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में जिलाधिकारी ने शहर की व्यवस्था को किस प्रकार से और अच्छा किया जा सकता है तथा समस्याओं के दीर्घकालिक समाधान के लिए व्यापारियों से अपने-अपने लिखित सुझाव भी उपलब्ध कराये जाने के लिए कहा है।

बैठक में व्यापारियों के द्वारा सीएमपी डिग्री कालेज के पास संचालित हो रहे बस अड्डे पर प्राइवेट बसों के संचालन, टैम्पो-टैक्सी व ई-रिक्सा के अत्यधिक संख्या में खड़े होने तथा रोडवेज की बसों की अव्यवस्थित पार्किंग से वहां पर जाम लगने तथा नैनी व झूंसी क्षेत्र से आने वाली एम्बुलेंस के आवागमन में भी बाधा पहुंचने की समस्या बतायी गयी, जिसपर जिलाधिकारी ने प्राइवेट बसों के संचालन पर प्रवर्तन की कार्रवाई करने के निर्देश परिवहन विभाग को तथा वाहनों को व्यवस्थित ढंग से खड़ा कराये जाने के लिए कहा है।

बैठक में जिलाधिकारी ने उनकी अध्यक्षता में प्रत्येक माह होने वाली व्यापारी बंधुओं की बैठक के पूर्व सभी सम्बंधित विभागों को व्यापार बंधुओं के साथ अपनी-अपनी बैठक सम्पादित कराये जाने के लिए कहा है। बैठक में शाहगंज थाने से लेकर सस्ता बाजार मार्केट तक नशेड़ियों के द्वारा लोगो को परेशान किए जाने की शिकायत पर जिलाधिकारी ने आबकारी, नगर निगम, पुलिस विभाग के अधिकारियों की संयुक्त टीम बनाकर प्रवर्तन की कार्यवाही कराये जाने के लिए कहा है।

संपादकीय

एनडीए कुनबे में सांसद बढ़े पर बढ़ गया अंदरूनी असंतोष

भारतीय राजनीति में इस समय एक बड़ा विरोधाभास देखने को मिल रहा है। विपक्ष के सांसदों की टूट-फूट से सत्ताधारी एनडीए का कुनबा लगातार बड़ा हो रहा है। ऊपरी तौर पर ऐसा लगता है कि सरकार पहले से कहीं अधिक मजबूत और सुरक्षित हो चुकी है। लेकिन जब हम दिल्ली के राजनीतिक गलियारों और संसद के आंकड़ों की गहराई में जाते हैं, तो कहानी कुछ और ही नजर आती है। बाहर से ताकतवर दिख रही इस सरकार के भीतर तनाव की एक नई लहर दौड़ गई है।

साल 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा अपने दम पर बहुमत का जाजुई आंकड़ा नहीं छू सकी थी। तब एनडीए ने 293 सीटों के साथ सरकार का गठन किया था। सरकार को टिकाए रखने के लिए 272 सांसदों की जरूरत होती है। हाल के दिनों में विपक्षी खेमे, खासकर टीएमसी और शिवसेना, जैसे दलों से सांसदों के पाला बदलने के कारण अब एनडीए का आंकड़ा 313 के पार पहुंच चुका है। सीधे गणित से देखें तो अविश्वास प्रस्ताव के जरिए इस सरकार को गिराना विपक्ष के लिए पूरी तरह असंभव है। सरकार गिरने का कोई तात्कालिक खतरा नहीं है, इसलिए सरकार के पूरी तरह अस्थिर होने का दावा तकनीकी रूप से गलत साबित होता है। लेकिन असली पेंच सरकार के बने रहने का नहीं, बल्कि उसके कामकाज और आंतरिक तालमेल का है। सरकार का कुनबा तो बढ़ रहा है, लेकिन इसके साथ ही गठबंधन के भीतर तनाव भी चरम पर पहुंच गया है। इस समय सबसे बड़ी अटकलें मंत्रिमंडल में बड़े फेरबदल को लेकर लगाई जा रही हैं। बाहर से आए दिग्गज नेताओं को संतुष्ट करने के लिए उन्हें सरकार में जगह देनी होगी। इसकी वजह से मौजूदा कई मंत्रियों पर भारी दबाव देखा जा रहा है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज है कि नए चेहरों को एडजस्ट करने के लिए कई पुराने और कद्दावर मंत्रियों की छुट्टी की जा सकती है या उनसे भारी-भरकम मंत्रालय छीने जा सकते हैं। इस संभावित फेरबदल की वजह से मंत्रियों और मूल पार्टी कार्यकताओं के बीच असंतोष की आग सुलगने लगी है। पुराने नेताओं को लगने लगा है कि बरसों तक पार्टी के लिए खून-पसीना बहाने के बाद भी, ऐन मौके पर दलबदलुओं को तवज्जो दी जा रही है। तनाव का दूसरा बड़ा कारण गठबंधन की छोटी और क्षेत्रीय पार्टियों में देखा जा रहा है। नीतीश कुमार की जेडीयू और चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी जैसे दल अब अपने राजनीतिक अस्तित्व को लेकर गहरे संकट और चिंता में हैं। दरअसल, जब एनडीए के पास 293 सीटें थीं, तब इन छोटे दलों की बैसाखियों के बिना सरकार एक कदम भी नहीं चल सकती थी। लेकिन अब विपक्ष से आए सांसदों के कारण सरकार का अपना आंकड़ा 313 पार कर गया है। इस नए समीकरण ने छोटे दलों की सौदेबाजी की ताकत को लगभग खत्म कर दिया है। उन्हें डर है कि भाजपा अब उनके क्षेत्रीय हितों को नजरअंदाज कर सकती है, जिससे उनके राज्यों में उनका वजूद ही खतरे में पड़ जाएगा।इस राजनीतिक उठापटक के बीच, हालिया विवादों ने सरकार की सुशासन की छवि पर भी दबाव बना दिया है। अयोध्या में राम मंदिर के चढ़ावे में चोरी का बड़ा मामला सामने आने से जहां एक तरफ धार्मिक और राजनीतिक बहस छिड़ गई है, वहीं दूसरी तरफ मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव से जुड़ा भूमि आवंटन का ताजा प्रकरण भी विपक्ष के हाथों में बड़ा मुद्दा बन गया है। इन दोनों ही गंभीर मामलों ने भाजपा को रक्षात्मक मुद्रा में ला खड़ा किया है, जिससे संगठन के भीतर का आपसी तनाव और अधिक गहरा गया है। इस पूरे दलबदल के पीछे सरकार की अपनी एक बड़ी रणनीति भी छिपी है। सरकार संसद में मनमाने और कड़े बिल पारित कराना चाहती है। भाजपा का मुख्य एजेंडा सिर्फ सरकार चलाना नहीं, बल्कि परिसीमन और ह्यएक देश, एक चुनावह्ल जैसे बड़े संवैधानिक सुधारों को लागू करना है। इन ऐतिहासिक बदलावों के लिए संसद में दो-तिहाई बहुमत यानी 362 सीटों की जरूरत होती है। सरकार इसी जादुई आंकड़े को छूने के लिए विपक्ष में तोड़फोड़ कर रही है। हालांकि, इतने सांसदों को जोड़ने के बाद भी सरकार अभी दो-तिहाई के आंकड़े से दूर है, जिससे विधायी स्तर पर उसकी राह अब भी आसान नहीं दिखती। कुल मिलाकर देखें तो यह दावा पूरी तरह सही है कि सांसदों के आने से एनडीए का संख्या बल तो बढ़ा है, लेकिन सरकार के भीतर आंतरिक तनाव और असंतोष अभूतपूर्व स्तर पर पहुंच गया है। सरकार की उम्र भले ही लंबी हो गई हो, लेकिन मंत्रियों की कुर्सी छिनने का डर, पुराने नेताओं की नाराजगी, क्षेत्रीय दलों के अस्तित्व का संकट और हालिया भ्रष्टाचार के आरोप इस सरकार की राजनीतिक स्थिरता को अंदर ही अंदर खोखला कर रहे हैं।

अग्नि-जाल में बदलते शहरी भवन

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत आज विश्व के सबसे तेजी से शहरीकरण करने वाले देशों में शामिल है। आर्थिक विकास, औद्योगीकरण, सेवा क्षेत्र के विस्तार और ग्रामीण क्षेत्रों से शहरों की ओर निरंतर हो रहे पलायन ने भारतीय शहरों का स्वरूप तेजी से बदला है। महानगरों से लेकर छोटे शहरों तक बहुमंजिला इमारतें, व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स, कोचिंग संस्थान, होटल, अस्पताल और मिश्रित-उपयोग (ट्रऽी-वरी) वाले भवन विकास के नए प्रतीक बनकर उभरे हैं। किंतु इस विकास के पीछे एक गंभीर सच्चाई भी छिपी है—शहरी नियोजन की अनदेखी, सुरक्षा मानकों की उपेक्षा और प्रशासनिक शिथिलता। परिणामस्वरूप, आज अनेक शहरी भवन आर्थिक प्रगति के केंद्र होने के साथ-साथ संभावित अग्नि-जाल भी बनते जा रहे हैं।

हाल के वर्षों में देश के विभिन्न हिस्सों में हुई अग्नि-दुर्घटनाओं ने इस संकट की भयावहता को उजागर किया है। दिल्ली के कोचिंग संस्थानों, सूरत के कोचिंग सेंटर, कोलकाता के होटल, हैदराबाद की व्यावसायिक इमारतों, मुंबई के अस्पतालों और अनेक बाजारों में लगी आग ने सैकड़ों परिवारों को असमय शोक में डुबो दिया। अधिकांश घटनाओं में एक जैसी कमियाँ सामने आईं—भवनों का अनधिकृत उपयोग, अग्नि-सुरक्षा उपकरणों का अभाव, बंद या अवरुद्ध आपातकालीन निकास, संकरी सड़कें, अवैध पार्किंग और नियमों के पालन में गंभीर लापरवाही। यह स्पष्ट संकेत है कि समस्या किसी एक भवन, किसी एक शहर या किसी एक विभाग की नहीं, बल्कि हमारे पूरे शहरी विकास मॉडल की है।

भारत में मिश्रित-उपयोग वाले भवनों की संख्या लगातार बढ़ रही है। एक ही भवन में नीचे दुकानें, ऊपर कार्यालय, उसके ऊपर कोचिंग संस्थान और सबसे ऊपर आवास होना अब सामान्य बात है। यह व्यवस्था आर्थिक दृष्टि से लाभकारी अवश्य प्रतीत होती है, लेकिन सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत जोखिमपूर्ण है। ऐसे भवनों में ज्वलनशील सामग्री, विद्युत उपकरण, गैस सिलेंडर, बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति और सीमित निकास मार्ग आग लगने की स्थिति में उसे विनाशकारी बना देते हैं। यदि भवन मूल रूप से आवासीय उद्देश्य के लिए निर्मित हो और बाद में बिना संरचनात्मक परिवर्तन के व्यावसायिक गतिविधियों के लिए उपयोग में लाया जाए, तो खतरा कई गुना बढ़ जाता है।

अनियोजित शहरीकरण इस समस्या की सबसे बड़ी जड़ है। भारत के अधिकांश शहर बिना दीर्घकालिक मास्टर प्लान के फैलते गए। आबादी बढ़ती गई, लेकिन सड़कें नहीं बढ़ीं; भवन ऊँचे होते गए, परंतु अग्निशमन सेवाओं की क्षमता उसी अनुपात में विकसित नहीं हुई। अनेक पुराने बाजारों और घनी आबादी वाले क्षेत्रों में अग्निशमन

वाहन तक प्रवेश नहीं कर पाते। कई स्थानों पर बिजली के तारों का जाल, अवैध पार्किंग और अतिक्रमण आग पर नियंत्रण की प्रक्रिया को और कठिन बना देते हैं। ऐसी परिस्थितियों में कुछ ही मिनटों में छोटी आग भी बड़ी त्रासदी में बदल जाती है।

इस संकट का दूसरा महत्वपूर्ण कारण नीतिगत विरोधाभास है। एक ओर सरकार ह्यईज ऑफ डूइंग बिजनेसह्ल के माध्यम से व्यापार को बढ़ावा देने के लिए अनुमतियों की प्रक्रिया सरल बना रही है, वहीं दूसरी ओर सुरक्षा मानकों के अनुपालन पर पर्याप्त बल नहीं दिया जा रहा। कई राज्यों में निश्चित ऊँचाई तक के भवनों को अनिवार्य अग्नि-अनापत्ति प्रमाण-पत्र (ऋ१ी ठडउ) से छूट प्राप्त है। परिणामस्वरूप हजारों ऐसे भवन बिना नियमित अग्नि-सुरक्षा निरीक्षण के संचालित होते रहते हैं। कई बार भवन निर्माण की अनुमति एक उद्देश्य के लिए मिलती है, किंतु समय के साथ उसका उपयोग पूरी तरह बदल जाता है। दुर्भाग्य से इस परिवर्तन की प्रभावी निगरानी करने वाली कोई मजबूत प्रणाली विकसित नहीं हो सकी है।

प्रशासनिक समन्वय का अभाव भी स्थिति को जटिल बनाता है। भवन निर्माण की अनुमति नगर निगम देता है, भूमि उपयोग परिवर्तन विकास प्राधिकरण देखता है, व्यापार लाइसेंस किसी अन्य विभाग से जारी होता है और अग्नि-सुरक्षा का दायित्व अग्निशमन विभाग पर होता है।

इन विभागों के बीच सूचनाओं का समुचित आदान-प्रदान नहीं होने से नियमों का प्रभावी अनुपालन नहीं हो पाता। कई बार भवन निर्माण के समय सभी औपचारिकताएँ पूरी कर ली जाती हैं, लेकिन बाद में भवन में किए गए अवैध परिवर्तन वर्षों तक किसी की निगाह में नहीं आते।

भ्रष्टाचार और जवाबदेही का अभाव भी इस समस्या का महत्वपूर्ण पहलू है। यदि निरीक्षण केवल कागजों तक सीमित रह जाएँ और प्रमाण-पत्र वास्तविक जाँच के बिना जारी होने लगें, तो नियमों का अस्तित्व मात्र औपचारिकता बनकर रह जाता है। अनेक दुर्घटनाओं के बाद यह सामने आया कि भवनों में अग्निशामक यंत्र तो लगे थे, किंतु उनकी समय-समय पर जाँच नहीं हुई थी। कई स्थानों पर स्प्रिंकलर प्रणाली कार्य नहीं कर रही थी या आपातकालीन निकास पर ताले लगे हुए थे। यह केवल तकनीकी विफलता नहीं, बल्कि प्रशासनिक और नैतिक विफलता भी है।

नागरिक जागरूकता की कमी भी इस संकट को बढ़ाती है। अधिकांश लोग भवन खरीदते या किराए पर लेते समय अग्नि-सुरक्षा व्यवस्था की जाँच नहीं करते। व्यापारिक प्रतिष्ठान लागत कम करने के लिए सुरक्षा उपकरणों की उपेक्षा करते हैं। नियमित मॉक ड्रिल, आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण और आपातकालीन निकासी अभ्यास को अनावश्यक समझा जाता है। जबकि विकसित देशों में अग्नि-सुरक्षा संस्कृति (ऋ१ी रीं३८ उ४ह्ल३४१ी) को विद्यालय स्तर से ही बढ़ावा दिया जाता है।

भारत में आपदा प्रबंधन की व्यवस्था पिछले दो दशकों में काफी मजबूत हुई है, लेकिन आग जैसी शहरी आपदाओं की रोकथाम पर अपेक्षित ध्यान अभी भी नहीं दिया गया है। आपदा आने के बाद राहत और बचाव कार्यों में हमारी संस्थाएँ उल्लेखनीय कार्य करती हैं, किंतु यदि रोकथाम और जोखिम न्यूनीकरण पर समान गंभीरता से निवेश किया जाए तो अनेक त्रासदियों को रोका जा सकता है। आपदा प्रबंधन का मूल सिद्धांत भी यही है कि रोकथाम पर खर्च किया गया प्रत्येक रुपया राहत और पुनर्वास पर होने वाले कई गुना व्यय को बचाता है।

अब आवश्यकता केवल दंडात्मक कार्रवाई की नहीं, बल्कि व्यापक संरचनात्मक सुधारों की है। सबसे पहले शहरी नियोजन को वैज्ञानिक और भविष्य-दृष्टि वाला बनाया जाना चाहिए। प्रत्येक शहर में भूमि उपयोग, जनसंख्या घनत्व, सड़क चौड़ाई, जल स्रोत, अग्निशमन केंद्रों की स्थिति और आपातकालीन पहुँच मार्गों का पुनर्मूल्यांकन किया जाए। मिश्रित-उपयोग वाले क्षेत्रों के लिए अलग सुरक्षा मानक निर्धारित किए जाएँ और भवनों की स्वीकृति इन्हीं मानकों के अनुरूप हो।

दूसरा, राष्ट्रीय भवन संहिता तथा अग्नि-सुरक्षा मानकों का देशभर में समान रूप से कठोर अनुपालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। भवन की ऊँचाई के बजाय उसमें उपस्थित लोगों की संख्या, गतिविधि की प्रकृति और अग्नि-जोखिम के आधार पर सुरक्षा मानक निर्धारित किए जाने चाहिए। सभी सार्वजनिक और मिश्रित-उपयोग भवनों में स्वचालित स्प्रिंकलर, धुआँ संवेदक, अग्नि-अलार्म, आपातकालीन प्रकाश व्यवस्था और स्पष्ट निकास मार्ग अनिवार्य हों।

क्या भाजपा-संघ के भीतर सब कुछ ठीक है?

के. पी. मलिक

भारतीय राजनीति में पिछले एक दशक से चर्चा का केंद्र मुख्यतः विपक्ष की कमजोरियां, उसके भीतर का नेतृत्व संकट, दलबदल और गठबंधन की चुनौतियां रही हैं। राजनीतिक विश्लेषण का बड़ा हिस्सा इस सवाल पर केंद्रित रहा है कि विपक्ष भाजपा का मुकाबला क्यों नहीं कर पा रहा है। लेकिन इसी दौरान एक दूसरा महत्वपूर्ण सवाल अपेक्षाकृत कम चर्चा में रहा है कि क्या देश की सबसे शक्तिशाली राजनीतिक-संगठनात्मक संरचना, यानी भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस), के भीतर भी ऐसे अंतर्विरोध और चुनौतियां उभर रही हैं जो भविष्य की राजनीति को प्रभावित कर सकती हैं?

लोकतंत्र में किसी भी दल या संगठन की वास्तविक स्थिति को समझने के लिए केवल उसके विरोधियों की कमजोरी देखना पर्याप्त नहीं होता। सत्ता के केंद्र में बैठे संगठनों के भीतर चल रही प्रक्रियाओं, मतभेदों और शक्ति-संतुलन को भी समझना आवश्यक होता है। हाल के महीनों में विभिन्न राज्यों से सामने आए घटनाक्रम इसी दिशा में कुछ महत्वपूर्ण संकेत देते दिखाई देते हैं। कर्नाटक में कांग्रेस नेता और राज्य के मंत्री प्रियंक खड़गे द्वारा संघ की जवाबदेही, उसके आर्थिक स्त्रोतों और संगठनात्मक संरचना को लेकर उठाए गए सवालों ने एक नई बहस को जन्म दिया है। राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप भारतीय लोकतंत्र का सामान्य हिस्सा हैं, लेकिन इस मामले में दिलचस्प बात यह रही कि भाजपा और संघ की ओर से अपेक्षाकृत संयमित प्रतिक्रिया देखने को मिली। इससे राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा शुरू हुई कि क्या भाजपा और संघ दोनों अपने सार्वजनिक संवाद को लेकर पहले की तुलना में अधिक सतर्क हो गए हैं, या फिर वे कुछ ऐसे सवालों का सामना कर रहे हैं जिनका जवाब केवल राजनीतिक नारों से नहीं दिया जा सकता।

हालांकि भाजपा और संघ के संबंधों को लेकर समय-समय पर अटकलें लगती रही हैं, लेकिन दोनों के बीच संबंध हमेशा एक समान नहीं रहे। संघ वैचारिक संगठन है जबकि भाजपा एक चुनावी राजनीतिक दल। दोनों के उद्देश्य समान हो सकते हैं, लेकिन उनकी कार्यशैली और प्राथमिकताएं कई बार अलग-अलग दिखाई देती हैं। जैसे-जैसे भाजपा एक व्यापक चुनावी मशीन में बदलती गई है, वैसे-वैसे उसके भीतर व्यावहारिक राजनीति और संघ के पारंपरिक वैचारिक आग्रहों के बीच संतुलन बनाए रखने की चुनौती भी बढ़ी है।

दरअसल, उत्तर प्रदेश का राजनीतिक परिदृश्य इस संदर्भ में विशेष महत्व रखता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की बढ़ती राजनीतिक स्वीकार्यता और लोकप्रियता ने उन्हें भाजपा के भीतर एक अत्यंत प्रभावशाली नेता के रूप में स्थापित किया है। स्वाभाविक रूप से इससे उनके और केंद्रीय नेतृत्व के संबंधों को लेकर समय-समय पर राजनीतिक अटकलें भी सामने आती रहती हैं। चाहे इन अटकलों का कोई ठोस आधार हो या न हो, लेकिन यह तथ्य महत्वपूर्ण है कि भाजपा अब केवल एक व्यक्ति या एक केंद्र पर आधारित राजनीतिक संरचना नहीं रह गई है। विभिन्न राज्यों में कई शक्तिशाली क्षेत्रीय चेहरे उभर चुके हैं, जिनकी अपनी राजनीतिक पूंजी और जनाधार है।राम मंदिर से जुड़े चंदा विवादों की चर्चाएं, प्रशासनिक घटनाओं को लेकर उठते सवाल और लखनऊ जैसे मामलों पर होने वाली आलोचनाओं को भी कुछ राजनीतिक विश्लेषक इसी व्यापक सत्ता-संतुलन के परिप्रेक्ष्य में देखते हैं। राजनीति में घटनाएं केवल प्रशासनिक नहीं होतीं; वे अक्सर शक्ति समीकरणों, छवि निर्माण और नेतृत्व संघर्षों का हिस्सा भी बन जाती हैं। हालांकि इन दावों की पुष्टि करना फिलहाल कठिन है, लेकिन यह स्पष्ट है कि भाजपा के भीतर नेतृत्व की अगली पीढ़ी और भविष्य की भूमिका को लेकर चर्चाएं लगातार जारी हैं।उधर मध्य प्रदेश का घटनाक्रम भी कम दिलचस्प नहीं है। मुख्यमंत्री मोहन यादव से जुड़े भूमि सौदों के विवाद और पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की राजनीतिक भूमिका को लेकर समय-समय पर उठने वाले सवाल इस बात का संकेत देते हैं कि सत्ता परिवर्तन के बाद भी पुराने और नए नेतृत्व के बीच सियासी संतुलन बनाए रखना किसी भी दल के लिए आसान नहीं होता। भाजपा ने मध्य प्रदेश में नेतृत्व परिवर्तन का बड़ा फैसला लिया, लेकिन उसके बाद भी शिवराज सिंह चौहान का जनाधार और राजनीतिक प्रभाव पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ।ऐसे में राज्य की राजनीति को केवल प्रशासनिक फैसलों के नजरिए से नहीं बल्कि आंतरिक शक्ति-संतुलन के संदर्भ में भी देखा जा सकता है। भाजपा के सामने एक और महत्वपूर्ण चुनौती उसकी लगातार बढ़ती दलबदल-आधारित विस्तार रणनीति से जुड़ी है। पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न राज्यों में बड़ी संख्या में दूसरे दलों के नेता भाजपा में शामिल हुए हैं। चुनावी दृष्टि से यह रणनीति सफल दिखाई देती है क्योंकि इससे संगठन का तत्काल विस्तार होता है और नए सामाजिक समूहों तक पहुंच भी बनती है। लेकिन यह भी सच है कि

जनविश्वास से जनप्रतिनिधित्व तक : संसद की नई कसौटी

कृति आरके जैन

लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति चुनाव नहीं, संवाद है। चुनाव सत्ता तय करते हैं, लेकिन संवाद लोकतंत्र की आत्मा को जीवित रखता है। यही संवाद संसद में आकार लेता है, जहाँ केवल विधेयकों पर बहस नहीं, बल्कि राष्ट्र की दिशा, समाज की प्राथमिकताएँ और भविष्य की रूपरेखा तय होती है। संसद केवल भवन नहीं, बल्कि जनविश्वास का सजीव मंच है, जहाँ करोड़ों नागरिकों की आशाएँ, असहमतियाँ और आकांक्षाएँ राष्ट्रीय संकल्प में बदलती हैं। उसकी गरिमा भवन से नहीं, बल्कि विचारशीलता, संवेदनशीलता और जवाबदेही से निर्मित होती है। 30 जून का अंतर्राष्ट्रीय संसदीय दिवस इसी भावना का स्मरण कराता है। यह संसदों का उत्सव नहीं, बल्कि आत्ममंथन का अवसर है—यह परखने का कि लोकतांत्रिक संस्थाएँ सचमुच हर नागरिक की आवाज को समान सम्मान दे रही हैं।

इस दिवस की सबसे बड़ी प्रासंगिकता यही है कि यह संसदों को उनकी मूल भूमिका का स्मरण कराता है। संसदें केवल कानून बनाने वाली संस्थाएँ नहीं, बल्कि लोकतंत्र की नैतिक चेतना हैं। किसी राष्ट्र का लोकतांत्रिक स्तर कानूनों की संख्या से नहीं, बल्कि उनकी न्यायपूर्ण, समावेशी और दूरदर्शी प्रकृति से तय होता है। जब संसद में बहस की जगह शोर, संवाद की जगह ध्रुवीकरण और जनसरोकारों पर राजनीति हावी हो जाती है, तब लोकतंत्र का वास्तविक उद्देश्य कमजोर पड़ने लगता है। संसद की सफलता सत्ता और विपक्ष की जीत-हार में नहीं, बल्कि उस वातावरण में निहित है जहाँ असहमति का सम्मान हो और निर्णय जनता के व्यापक हित में लिए जाएँ।

आज लोकतंत्र के सामने सबसे बड़ी

चुनौती प्रतिनिधित्व की गुणवत्ता है। समाज जितना विविध है, संसदें भी उतनी ही समावेशी होनी चाहिए। महिलाओं, युवाओं, आदिवासी समुदायों, दलितों, दिव्यांगजनों और वंचित वर्गों की भागीदारी केवल संवैधानिक औपचारिकता नहीं, बल्कि लोकतंत्र की विश्वसनीयता की कसौटी है। जब निर्णय प्रक्रिया में सभी वर्ग सहभागी होते हैं, तभी नीतियाँ अधिक न्यायपूर्ण और संतुलित बनती हैं। यदि आधी आबादी की आवाज प्रभावी रूप से शामिल न हो और विश्व की सबसे बड़ी युवा आबादी सीमित प्रतिनिधित्व तक सिमट जाए, तो लोकतंत्र का दायरा स्वतः संकुचित हो जाता है। समावेशिता राजनीतिक नारा नहीं, लोकतांत्रिक व्यवस्था की अनिवार्य शर्त है।

वर्ष 2026 में यह दिवस ह्यमानवाधिकारों को केंद्र में लानेह्ल के वैश्विक संकल्प को रेखांकित करता है। साथ ही, संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों की सफलता भी संसदों की सक्रियता पर निर्भर करती है, क्योंकि नीतियाँ वहीं बनती हैं, संसाधनों का वितरण वहीं तय होता है और सरकारों की जवाबदेही भी वहीं सुनिश्चित होती है। यदि संसद शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, रोजगार, जलवायु परिवर्तन और सामाजिक समानता जैसे मुद्दों पर गंभीर, सतत और परिणामोन्मुख विमर्श का केंद्र नहीं बनेगी, तो विकास केवल आँकड़ों तक सिमट जाएगा। किसी भी राष्ट्र का वास्तविक विकास तभी संभव है, जब उसकी संसद तात्कालिक राजनीति से ऊपर उठकर भावी पीढ़ियों के हित में दूरदर्शी निर्णय लेने का साहस दिखाए।

विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारत की जिम्मेदारी और भी बड़ी है। भारतीय संसद केवल संविधान की संरक्षक नहीं, बल्कि 145 करोड़ से अधिक नागरिकों की आकांक्षाओं की प्रतिनिधि भी है। हाल के वर्षों में महिलाओं के राजनीतिक प्रतिनिधित्व, डिजिटल संसदीय व्यवस्था और अनेक सामाजिक सुधारों से जुड़े कानूनों की दिशा में महत्त्वपूर्ण पहल हुई है। फिर भी प्रतिनिधित्व, संसदीय उत्पादकता, सार्थक बहस और विधायी गुणवत्ता के क्षेत्र में अभी लंबी यात्रा शेष है। संसद तब सबसे प्रभावशाली बनती है, जब वहाँ संख्याबल नहीं, विचारों का बल प्रबल हो और राजनीतिक प्रतिस्पर्धा से ऊपर राष्ट्रीय हित सर्वोच्च प्राथमिकता बने।

आज तकनीक ने लोकतंत्र को नई संभावनाएँ दी हैं। संसदीय कार्यवाही अब लाखों नागरिकों तक तत्काल पहुँचती है, दस्तावेज डिजिटल हैं और सूचना अधिक सुलभ है। लेकिन तकनीकी आधुनिकीकरण मात्र से लोकतंत्र सशक्त नहीं होता; उसकी असली शक्ति जागरूक नागरिक सहभागिता है। संसद और समाज के बीच संवाद जितना गहरा होगा, लोकतंत्र उतना ही जीवंत बनेगा। नागरिकों की भूमिका केवल मतदान तक सीमित नहीं होनी चाहिए; उन्हें संसदीय बहसों, विधेयकों और जनहित के मुद्दों के प्रति भी सजग रहना होगा। लोकतंत्र दर्शक नहीं, सक्रिय नागरिकों से मजबूत होता है।

संसदों के सामने आज सबसे बड़ी चुनौतियों में एक है—जनविश्वास। दुनिया के अनेक लोकतंत्रों में राजनीतिक संस्थाओं पर नागरिकों का भरोसा घट रहा है। इसका समाधान नए कानूनों से अधिक पारदर्शिता, जवाबदेही और सतत जनसंवाद में है। संसद को सिद्ध करना होगा कि वह केवल सत्ता परिवर्तन का मंच नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विश्वास की सबसे विश्वसनीय संस्था है। जब वह जनता की समस्याओं को प्राथमिकता देती है, निर्णय प्रक्रिया को पारदर्शी बनाती है और आत्मसुधार का साहस दिखाती है, तभी लोकतंत्र में नागरिकों का विश्वास सुदृढ़ होता है।

अंतर्राष्ट्रीय संसदीय दिवस यह भी स्मरण कराता है कि लोकतंत्र कभी पूर्ण नहीं होता; वह निरंतर विकसित होने वाली व्यवस्था है। बदलते समय के साथ संसदों को भी अपनी कार्यशैली, प्राथमिकताओं और दृष्टि में बदलाव लाना होगा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जलवायु संकट, वैश्विक असमानता, साइबर सुरक्षा, बदलता रोजगार परिदृश्य और सामाजिक न्याय जैसी चुनौतियाँ पारंपरिक राजनीति से कहीं अधिक दूरदर्शी सोच की माँग करती हैं।

यदि संसद समय रहते इन चुनौतियों के अनुरूप नीतियाँ गढ़ेगी, तभी लोकतंत्र आने वाली पीढ़ियों के लिए भी उतना ही प्रासंगिक और सशक्त बना रहेगा।

लोकतंत्र की पहचान उसकी संसद से होती है।

संसद केवल कानून बनाने वाली संस्था नहीं, बल्कि राष्ट्र के लोकतांत्रिक चरित्र का दर्पण है। वह जितनी संवेदनशील होगी, समाज उतना ही न्यायपूर्ण; जितनी समावेशी होगी, विकास उतना ही संतुलित; और जितनी जवाबदेह होगी, नागरिकों का विश्वास उतना ही गहरा होगा।

भारत को गर्म होने से पहले ही ठंडा कर दें

डॉ विजय गर्ग

भारत सदियों से गर्म जलवायु वाला देश रहा है। यहां के लोगों ने अपने जीवन, वास्तुकला, कृषि और सामाजिक परंपराओं को मौसम के अनुरूप ढालकर जीवन जीना सीखा है। लेकिन आज स्थिति बदल रही है। गर्मी अब केवल एक मौसमी चुनौती नहीं रह गई है, बल्कि यह सार्वजनिक स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था, पर्यावरण और सामाजिक जीवन के लिए एक गंभीर खतरे का रूप लेती जा रही है। लगातार बढ़ते तापमान, लंबी और तीव्र होती हीटवेव, घटते जल स्त्रोत और तेजी से फैलते शहरीकरण ने इस चुनौती को और जटिल बना दिया है। ऐसे में भारत को एक ऐसे भविष्य की योजना बनानी होगी जो अधिक सुरक्षित, टिकाऊ और अपेक्षाकृत ठंडा हो।

बढ़ती गर्मी का नया युग

पिछले कुछ वर्षों में भारत ने रिकॉर्ड तोड़ तापमान का अनुभव किया है। कई राज्यों में पारा 45 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच चुका है, जबकि कुछ क्षेत्रों में यह 50 डिग्री के करीब दर्ज किया गया।

पहले जो हीटवेव असाधारण मानी जाती थीं, वे अब अधिक सामान्य होती जा रही हैं इसका प्रभाव केवल मौसम तक सीमित नहीं है।

अत्यधिक गर्मी से स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ती हैं, श्रमिकों की उत्पादकता घटती है, बिजली की मांग बढ़ती है, कृषि प्रभावित होती है और जल संकट गहराता है। सबसे अधिक असर गरीबों, बुजुर्गों, बच्चों और खुले वातावरण में काम करने वाले श्रमिकों पर पड़ता है।

जलवायु परिवर्तन और भारत

वैज्ञानिकों का मानना है कि वैश्विक जलवायु परिवर्तन ने गर्मी की तीव्रता और आवृत्ति दोनों को बढ़ाया है। वातावरण में बढ़ती ग्रीनहाउस गैसें पृथ्वी के तापमान को बढ़ा रही हैं, जिसके परिणामस्वरूप चरम मौसम की घटनाएं अधिक सामान्य हो रही हैं।

भारत जैसे देश, जहां बड़ी आबादी कृषि और बाहरी श्रम पर निर्भर है, इस बदलाव के प्रति विशेष रूप से संवेदनशील हैं। इसलिए जलवायु परिवर्तन से निपटना केवल पर्यावरण का मुद्दा नहीं, बल्कि विकास और मानव कल्याण का भी प्रश्न है।

शहरों को ठंडा बनाने की आवश्यकता

भारत की तेजी से बढ़ती शहरी आबादी एक नई समस्या पैदा कर रही है जिसे अर्बन हीट आइलैंड कहा जाता है। कंक्रीट, डामर और ऊंची इमारतें दिनभर गर्मी सोखती हैं और रात में उसे धीरे-धीरे छोड़ती हैं। परिणामस्वरूप शहर अपने आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में अधिक गर्म हो जाते हैं।

इस समस्या से निपटने के लिए शहरों में हरित क्षेत्रों का विस्तार, पार्कों का संरक्षण, छतों पर बागवानी, जलाशयों का पुनर्जीवन और छायादार वृक्षारोपण आवश्यक है। कूल रूफ तकनीक, जिसमें हल्के रंग की छतें सूर्य की किरणों को परावर्तित करती हैं, भी तापमान कम करने में प्रभावी सिद्ध हो सकती है।

परंपरागत ज्ञान की वापसी

भारत के पारंपरिक घर और बस्तियां स्थानीय जलवायु के अनुरूप बनाई जाती थीं। मोटी दीवारें, आंगन, ऊंची छतें, जालियां, बरामदे और प्राकृतिक वेंटिलेशन गर्मी से बचाव के प्रभावी साधन थे।

आधुनिक निर्माण में इन सिद्धांतों को अक्सर नजरअंदाज कर दिया गया है। यदि पारंपरिक वास्तुकला के ज्ञान को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़ा जाए, तो ऊर्जा की खपत कम करते हुए अधिक आरामदायक और टिकाऊ भवन बनाए जा सकते हैं।

पानी और गर्मी का संबंध

गर्मी और जल संकट एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हैं। बढ़ते तापमान से वाष्पीकरण बढ़ता है, जल स्त्रोत तेजी से सूखते हैं और सूखे की संभावना बढ़ जाती है।

वर्षा जल संचयन, भूजल पुनर्भरण, जल संरक्षण और नदियों-तालाबों का पुनर्जीवन भारत की गर्मी से निपटने की रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा होना चाहिए। जल सुरक्षा के बिना गर्मी से मुकाबला संभव नहीं है।

स्वास्थ्य सुरक्षा को प्राथमिकता

हीटवेव को अक्सर मूक आपदा कहा जाता है क्योंकि इसके प्रभाव हमेशा तुरंत दिखाई नहीं देते। लेकिन हर वर्ष हजारों लोग गर्मी से जुड़ी बीमारियों का शिकार होते हैं।

सरकारों को प्रभावी हीट एक्शन प्लान लागू करने, समय पर चेतावनी जारी करने, सार्वजनिक स्थानों पर पेयजल और छाया की व्यवस्था करने तथा स्वास्थ्य सेवाओं को तैयार रखने की आवश्यकता है। स्कूलों, कार्यस्थलों और स्थानीय निकायों को भी गर्मी से बचाव के उपायों को अपनाना चाहिए।

विकास और पर्यावरण का संतुलन

भारत को अपनी विकास यात्रा जारी रखते हुए पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखना होगा।

अक्षय ऊर्जा, ऊर्जा दक्षता, हरित परिवहन और टिकाऊ बुनियादी ढांचे में निवेश न केवल जलवायु परिवर्तन को कम करेगा, बल्कि दीर्घकालिक आर्थिक लाभ भी प्रदान करेगा।

वास्तविक चुनौती विकास और पर्यावरण के बीच चुनाव करने की नहीं, बल्कि दोनों को साथ लेकर चलने की है।

नागरिकों की भूमिका

गर्मी से मुकाबला केवल सरकारों का काम नहीं है। प्रत्येक नागरिक भी इसमें योगदान दे सकता है। पेड़ लगाना, जल संरक्षण करना, ऊर्जा की बचत करना, सार्वजनिक परिवहन का उपयोग बढ़ाना और पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली अपनाना छोटे लेकिन प्रभावशाली कदम हैं।

जब समाज और सरकार मिलकर काम करते हैं, तभी बड़े परिवर्तन संभव होते हैं।

समाजवादी पार्टी की बाबरी सोच है, इसीलिए सपा सरकार में दंगे होते थे : योगी आदित्यनाथ

मुरादाबाद।
समाजवादी पार्टी की बाबरी सोच है और बाबरी सोच विध्वंसकारी होती है। इसीलिए सपा सरकार में दंगे होते थे, कर्फ्यू लगता था, अपराध का बोलबाला होता था। यह बातें सोमवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुरादाबाद में 365 करोड रुपये की 63 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास के बाद जनसभा को संबोधित करते हुए कही।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगे कहा कि आज के यूपी में विकास भी विरासत भी है। पिछली सरकारों की सोच कब्रिस्तानी होती थी इसीलिए पहले पैसा कब्रिस्तान में लगता था। अब मंदिरों के विकास में लगता है। राम मंदिर और काशी विश्वनाथ इसके उदाहरण है और अब मथुरा की बारी है।
मुख्यमंत्री ने कहा कि समाजवादी पार्टी, बसपा और कांग्रेस का विजन विकास नहीं, इनका विजन परिवार का विकास है। अखिलेश यादव बडे घर में पैदा हुए, 12 बजे सोकर उठते थे, 5 बजे मित्रों से मिलते थे, फिर उनकी महफिल जमती थी तो उत्तर प्रदेश का विकास कहां से होता। सपा सरकार में 100 रुपये की योजना 500 रुपये की बनाई जाती थी।
योगी ने कहा जो पीढी विरासत का सम्मान करती है वह प्रगति करती है। जो पीढी विरासत का अपमान करती हैं उसकी दुर्गति होती है। 2017 से पहले उत्तर प्रदेश यही स्थिति थी। सपा सरकार में यह लाइन आई थी, देख सपाई बिटिया घबराई, आज बिटिया भी सुरक्षित और व्यापारी भी सुरक्षित है। आज से नौ वर्ष पूर्व मुरादाबाद दंगों, कर्फ्यू, गड्ढों, अपराधों के लिए जाना जाता था, आज का मुरादाबाद गुरु जंभेश्वर के नाम से, विकास के नाम से जाना जाता है।
मंच पर उप्र सरकार में सूक्ष्म लघु उद्योग मध्यम मंत्री चौधरी भूपेंद्र सिंह, कैबिनेट मंत्री व मुरादाबाद के प्रभारी मंत्री अनिल कुमार, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष व विधान परिषद सदस्य सत्यपाल सैनी, जिला प्रभारी प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश यादव, क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह नागर, क्षेत्रीय महामंत्री हरिओम शर्मा, नगर विधायक रितेश गुप्ता, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ शैफाली चौहान, महापौर विनोद अग्रवाल, महानगर प्रभारी मोहनलाल सैनी, जिलाध्यक्ष आकाश पाल, महानगर अध्यक्ष गिरीश भंडूला, प्रांतीय परिषद सदस्य निमित जायसवाल व संजय ढाका, पार्षद दल के उपनेता सुरेंद्र विश्नोई आदि उपस्थित रहे।

वाराणसी : अखिलेश यादव की बेटी टीना और अदिति ने सांसद प्रिया सरोज के साथ किया गंगा पूजन

वाराणसी।
समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की बेटियां टीना यादव और अदिति यादव ने सोमवार शाम दशाश्वमेध घाट पर मछलीशहर से सांसद प्रिया सरोज के साथ विधि-विधान से मां गंगा का पूजन किया।
सायंकालीन गंगा आरती का आयोजन कराने वाली संस्था गंगा सेवा निधि के अर्चकों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच तीनों का गंगा पूजन संपन्न कराया। पूजन के उपरांत टीना यादव, अदिति यादव और सांसद प्रिया सरोज ने दशाश्वमेध घाट पर होने वाली विश्वप्रसिद्ध गंगा आरती में भी सहभागिता की। आरती के दौरान टीना यादव श्रद्धा और भक्ति में भाव-विभोर नजर आईं।
गंगा सेवा निधि की विजिटर बुक में टीना यादव ने लिखा, "भगवती मां गंगा की आरती ने मंत्रमुग्ध कर दिया। हम सभी को उनकी स्वच्छता और संरक्षण के लिए कार्य करना चाहिए। मां गंगा हम सभी के लिए मां स्वरूप हैं।"

इस अवसर पर गंगा सेवा निधि के अध्यक्ष सुशांत मिश्रा और कोषाध्यक्ष आशीष तिवारी ने टीना यादव, अदिति यादव तथा सांसद प्रिया सरोज का अंगवस्त्र, प्रसाद और स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत किया। तीनों लगभग एक घंटे तक दशाश्वमेध घाट पर मौजूद रहीं।

सावन के पहले पुलिस कमिश्नर ने काशी विश्वनाथ धाम में सुरक्षा तैयारियों को परखा,सुगम दर्शन पर जोर

वाराणसी।
वाराणसी में आगामी पावन श्रावण मास के दृष्टिगत पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल ने काशी विश्वनाथ धाम एवं आसपास के क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण कर श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगम दर्शन तथा निर्बाध आवागमन सुनिश्चित करने के लिए व्यवस्थाओं की समीक्षा किया।
पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल ने कहा कि काशीवासियों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए उन्हें काशी विश्वनाथ मंदिर के गेट संख्या चार से जिग-जैग बैरिकेडिंग के माध्यम से नियंत्रित एवं सुव्यवस्थित प्रवेश प्रदान किया जाए। जिससे उनके नियमित दर्शन निर्बाध रूप से संपन्न हो सकें। काशी के लोगों को कोई कठिनाई ना होने पाए।

पुलिस कमिश्नर ने कहा कि सावन माह में भीड़ बढ़ने पर व्यापारिक गतिविधियों पर अनावश्यक प्रभाव न पड़े, इसके लिए सामान्य दिनों में मार्गों को यथासंभव खुला रखा जाए। गंगा दर्शन एवं बाबा श्री काशी विश्वनाथ के दर्शन हेतु आने वाले श्रद्धालुओं को दर्शनोपरांत मंदिर चौक क्षेत्र में भ्रमण, खरीदारी, स्थानीय व्यंजनों का आनंद लेने तथा सांस्कृतिक वातावरण का अनुभव करने हेतु सुगम एवं सुरक्षित व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए पार्किंग स्थलों की व्यवस्था मंदिर क्षेत्र से अधिकतम 500 मीटर से एक किलोमीटर की दूरी के भीतर सुनिश्चित की जाए, जिससे दर्शनार्थियों को अनावश्यक रूप से अधिक दूरी पैदल न चलना पड़े तथा सुगम आवागमन बना रहे।
मोहित अग्रवाल ने कहा कि श्रावण मास की समस्त तैयारियां महाकुंभ स्तर की व्यापकता एवं दक्षता के अनुरूप हों, जिससे श्रद्धालुओं को सुगम दर्शन, सुरक्षित वातावरण तथा शहर में निर्बाध यातायात सुविधा उपलब्ध कराई जा सके।

सावन के पहले पुलिस कमिश्नर ने काशी विश्वनाथ धाम में सुरक्षा तैयारियों को परखा, सुगम दर्शन पर जोर

वाराणसी।
श्रावण मास के मद्देनजर श्री काशी विश्वनाथ धाम में सुरक्षा और श्रद्धालुओं की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए तैयारियां तेज हो गई हैं। सोमवार शाम पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था, सुगम दर्शन और यातायात प्रबंधन की तैयारियों की समीक्षा की।
निरीक्षण के दौरान पुलिस आयुक्त ने स्थानीय नेमी दर्शनार्थियों (काशीवासियों) को प्राथमिकता देते हुए निर्देश दिया कि उन्हें मंदिर के गेट संख्या-04 से जिग-जैग बैरिकेडिंग के माध्यम से नियंत्रित एवं सुव्यवस्थित प्रवेश दिया जाए, ताकि उनके नियमित दर्शन निर्बाध रूप से हो सकें।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सामान्य दिनों में व्यापारिक गतिविधियां प्रभावित न हों, इसके लिए मार्गों को यथासंभव खुला रखा जाए। केवल विशेष पर्वों और अत्यधिक भीड़ वाले अवसरों पर ही अतिरिक्त बैरिकेडिंग की व्यवस्था लागू की जाए।
पुलिस आयुक्त ने कहा कि गंगा दर्शन और बाबा श्री काशी विश्वनाथ के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को दर्शन के बाद मंदिर चौक क्षेत्र में भ्रमण, खरीदारी, स्थानीय व्यंजनों का आनंद लेने तथा सांस्कृतिक वातावरण का अनुभव करने के लिए सुरक्षित और सुगम व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए।
श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए उन्होंने निर्देश दिया कि पार्किंग स्थलों की व्यवस्था मंदिर क्षेत्र से अधिकतम 500 मीटर से एक किलोमीटर की दूरी के भीतर सुनिश्चित की जाए, ताकि दर्शनार्थियों को अनावश्यक रूप से लंबी दूरी पैदल न चलनी पड़े।
उन्होंने श्रावण मास की सभी तैयारियों को महाकुंभ स्तर की व्यापकता और दक्षता के अनुरूप करने पर जोर देते हुए कहा कि श्रद्धालुओं को सुरक्षित वातावरण, सुगम दर्शन और शहर में निर्बाध यातायात उपलब्ध कराया जाए।

बिसावर के चांदनी चौक स्थित मिष्ठान भंडार में भीषण आग, लाखों का नुकसान

हाथरस।
उत्तर प्रदेश के हाथरस में थाना सादाबाद क्षेत्र के कस्बा बिसावर के चांदनी चौक स्थित एक मिष्ठान भंडार में सोमवार देर रात भीषण आग लगने से लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। सूचना मिलने पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने स्थानीय लोगों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।
जानकारी के अनुसार, रात करीब एक बजे बिसावर पुलिस गस्त के दौरान भ्रमण कर रही थी। इसी दौरान पुलिसकर्मियों को चांदनी चौक स्थित एक दुकान से धुआं और आग की लपटें उठती दिखाई दीं। पुलिस ने तत्काल आसपास के लोगों और दुकानदारों को जगाया। दुकानदारों ने अपनी-अपनी दुकानें खोलकर स्थिति का जायजा लिया तो पता चला कि आग राधेश्याम की मिष्ठान की दुकान में लगी है।
स्थानीय लोगों और दुकानदारों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग तेजी से फैलने लगी। सूचना पर कुछ देर बाद फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और काफी प्रयास के बाद आग पर काबू पाया। तब तक दुकान में रखा मिष्ठान, खाद्य सामग्री, फर्नीचर तथा अन्य सामान जलकर नष्ट हो चुका था।
प्रारंभिक अनुमान के अनुसार आग से लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। आग लगने के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल सका है। पुलिस और संबंधित विभाग मामले की जांच कर रहे हैं।

हर्ष फायरिंग के दौरान युवक की गोली लगने से मौत

प्रयागराज।
उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में स्थित करछना थाना क्षेत्र में भुंडा पुलिस चौकी क्षेत्र के निंदिया गांव में सोमवार देर रात एक बधाई कार्यक्रम के दौरान हर्ष फायरिंग जानलेवा साबित हुई। रिवॉल्वर से की गई फायरिंग में गोली लगने से एक युवक की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की। पुलिस के मुताबिक करछना थाना क्षेत्र की भुंडा पुलिस के निरिया गांव में सोमवार रात बच्चे के जन्म की खुशी में बधाई कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इसी दौरान किसी व्यक्ति ने रिवॉल्वर से हर्ष फायरिंग कर दी। फायरिंग के दौरान अचानक गोली लगने से सर्वेश यादव उर्फ गोलू (24) पुत्र राजेंद्र प्रसाद यादव घायल हो गया। घायल सर्वेश की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही करछना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस घटनास्थल से साक्ष्य जुटाकर मामले की जांच में जुटी है तथा फायरिंग करने वाले व्यक्ति की पहचान कर उसके खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है।
पुलिस उपायुक्त यमुनानगर विवेक चंद्र यादव ने बताया कि करछना क्षेत्र में हर्ष फायरिंग के दौरान युवक की मौत की सूचना प्राप्त हुई है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। घटना के संबंध में साक्ष्य एकत्र किए जा रहे हैं और तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर दोषी के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नोएडा : अट्ठारहवीं मंजिल से कूदकर महिला ने की आत्महत्या

नोएडा।
नोएडा के थाना सेक्टर 39 क्षेत्र में स्थित एक सोसाइटी में रहने वाली 46 वर्षीय महिला ने मंगलवार को अपने 18वीं मंजिल में स्थित फ्लैट से कूदकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।
पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी ने बताया कि थाना सेक्टर 39 क्षेत्र में स्थित लोटस स्पेशिया सोसाइटी में रहने वाली पारुल अग्रवाल (४६) पत्नी पल्लव अग्रवाल ने मंगलवार को अपनी सोसाइटी के 18वें फ्लोर के फ्लैट से कूदकर आत्महत्या कर लिया। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।
पुलिस को पति ने पूछताछ में बताया कि वह पत्नी काफी दिनों से मानसिक तनाव में थी। उन्होंने बताया कि फील्ड यूनिट को बुलाकर घटनास्थल का निरीक्षण कराते हुए अन्य विधिक कार्रवाई की जा रही है।

लखनऊ में चार साइबर ठग गिरफ्तार

लखनऊ।
उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में सोमवार को सुशान्त गोल्फ सिटी थाना और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने कॉरपोरेट धोखाधड़ी रैकेट के अंतरराष्ट्रीय गैंग का खुलासा किया है। साइबर फ्रॉड करते हुए जनता से करोड़ों की ठगी करने वाले चार शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है।
अभियुक्तों के पास से 79 चेक बुक, 77 एटीएम कार्ड, 14 की पैड मोबाइल, 15 एण्ड्राइड मोबाइल आदि बरामद किये हैं।

बेकाबू ट्रक ने पिता-पुत्र को कुचला, मौत

फिरोजाबाद।
उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले में शिकोहाबाद थाना क्षेत्र में मंगलवार की सुबह तड़के के एक बेकाबू ट्रक ने फुटपाथ के किनारे सो रहे पिता-पुत्र को कुचल दिया। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पुत्री गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज भेजा गया है। पुलिस ने चालक-परिचालक को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।
सीओ शिकोहाबाद अम्बरीष कुमार ने बताया कि यह हादसा

मैनपुरी रोड पर गांव मोहम्मदपुर माढ़ई में मंगलवार को हुआ। मैनपुरी की तरफ से शिकोहाबाद की ओर जा रहे एक ट्रक ने घर के बाहर बने फुटपाथ पर सो रहे कासिम (50) और उसके बेटे तौकीम (10), बेटी शिफा (12) को रौंद दिया। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने ट्रक चालक को पकड़कर पुलिस को सूचना दी। दुर्घटना की सूचना मिलने पर क्षेत्रीय पुलिस, सीओ अम्बरीष कुमार, उपजिलाधिकारी गजेन्द्र सिंह मौके पर पहुंचे। आनन-फानन सभी घायलों को एम्बुलेंस से अस्पताल भिजवाया गया, जहां डॉक्टरों ने कासिम और तौकीम को मृत घोषित कर दिया। वहीं, शिफा उर्फ शहरीन को गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया है।
इधर दुर्घटना से आक्रोशित लोगों ने जाम लगाने की कोशिश भी की, लेकिन पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों ने समझा बुझा कर उन्हें शांत कराया।
एसडीएम गजेन्द्र सिंह ने पीड़ित परिवार को हर संभव मदद का भरोसा भी दिया है। सीओ शिकोहाबाद अम्बरीष कुमार का कहना है कि घटना में सड़क किनारे सो रहे पिता-पुत्र की मौत हुई है। ट्रक को कब्जे में ले लिया गया है।
चालक-परिचालक भी हिरासत में हैं। मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है।

प्रतापगढ़ में साले ने जीजा की गोली मारकर की हत्या

प्रतापगढ़।
उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में जेठवारा थाना अंतर्गत खटवारा चंदन का पुरवा गांव में सोमवार रात लगभग 10 बजे साले ने अपने जीजा की गोली मारकर हत्या कर दिया। गोली चलने कि सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और गोली लगने से घायल व्यक्ति को मेडिकल कॉलेज ले गई जहां पहुंचने पर डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर ने गोली चलने की सूचना मिलते ही घटना स्थल का जायजा लिया और जल्द से जल्द घटना को अंजाम देने वालों को गिरफ्तार करने का निर्देश दिया।
घटनास्थल पर एक पिस्टल और 12 कारतूस मिले हैं। पुलिस वारदात को अंजाम देने वाले आरोपितों की

तलाश में जुटी है। बताया जा रहा कि शादी के बाद से मृतक और उसके ससुरालियों में अनबन थी। इसी रंजिश में हत्या की गई है।
खटवारा चंदन का पुरवा के निवासी राजू सिंह (28) पुत्र अनिरुद्ध सिंह अपने दोस्त दीपक मिश्रा के घर से निमंत्रण से बाइक से लौट रहा था। घर से सौ गज पहले घात लगाए साले चंद्रेश उर्फ पिंटू वर्मा ने दोस्त तेज वर्मा व शगुन वर्मा के साथ मिलकर उसके सिर में गोली मार दी। लहूलुहान राजू को अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। स्थानीय लोगों के मुताबिक, राजू ने चंद्रेश की बहन से शादी की थी। तभी से दोनों परिवारों में अनबन थी। इसी विवाद में वारदात को अंजाम दिया गया है। गांव में तनाव का माहौल है। घटनास्थल से पुलिस ने पिस्टल और कारतूस बरामद किए हैं। मौके पर सीओ सदर करिश्मा गुप्ता के साथ कई थाने की पुलिस मौजूद है।
सीओ सदर करिश्मा गुप्ता ने बताया कि अपनी बहन की शादी से नाराज भाई ने सोमवार की रात अपने बहनोई की गोली मारकर हत्या कर दी। जिसमें मृतक की पत्नी का भाई पिंटू वर्मा और उसका साथी तेग बहादुर बर्मा के साथ ही तीन अज्ञात लोगो के विरुद्ध मृतक के परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया है। उनकी गिरफ्तारी के लिए सर्विलांस सेल सहित पुलिस की तीन टीमों का गठन किया गया है।

अजय राय की जान को खतरा है, अयोध्या पुलिस की कार्रवाई लोकतंत्र की हत्या - रीना राय

वाराणसी।
उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय की पत्नी रीना राय ने मंगलवार को एक वीडियो जारी कर अपने पति की जान को खतरा बताया। रीना राय ने कहा कि विधि का उल्लंघन करते हुए योगी सरकार की पुलिस ने आधी रात को मेरे पति अजय राय को गिरफ़्तार कर लिया। उनका दोष सिर्फ़ इतना था कि वे कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करते हुए भगवान श्रीराम के दर्शन के लिए जा रहे थे। परिवार को कोई सूचना नहीं दी गई है। हम सभी अत्यंत चिंतित और परेशान हैं। अजय राय की जान को खतरा है। पुलिस की इस तरह की कार्रवाई लोकतंत्र की हत्या है।
बता दें कि कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को अयोध्या स्थित एक गेस्ट हाउस में बीती देर रात हाउस अरेस्ट कर लिया गया था। बाद में अयोध्या जनपद की पुलिस ने उन्हें हिरासत में लेकर वहां से सुरक्षित स्थान ले गई। अजय राय कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ अयोध्या में मंगलवार की सुबह भगवान श्री राम के दर्शन करने जाने वाले थे।

मामूली विवाद में किशोर को अगवा कर लाठी-डंडों से मार डाला

गाजियाबाद।
गाजियाबाद के लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र में एक युवक को कुछ लोगों ने रोडरेज मे बुरी तरह पीट-पीट मौत के घाट उतार दिया। मारपीट की शुरूआत कार से बाइक टकराने के बाद हुई। टक्कर के बाद कार सवार दो हमलावरों ने किशोर को पीट-पीटकर मार डाला। टक्कर सोमवार दोपहर हुई थी और शाम को उपचार के दौरान किशोर की मौत हो गई।
लोनी की मुस्तफाबाद कॉलोनी में रहने वाले शौकत का छोटा बेटा 17 वर्षीय जैद सोमवार सुबह बेहटा हाजीपुर नहर

रोड स्थित एक स्विमिंग पूल में नहाने गया था। उसके साथ बाइक पर दो दोस्त नदीम और इब्राहीम भी थे। दोस्तों ने बताया कि दोपहर करीब एक बजे स्विमिंग पूल से तीनों लौटने के दौरान एक कार की साइड से बाइक टकरा गई। इस पर कार से दो लोग बाहर आए और गालियां देनी शुरू कर दीं। विरोध पर हमलावरों ने बाइक चला रहे जैद को पीटा और खींचकर कार में अगवा कर लिया। दोनों उसे एक प्रॉपर्टी डीलर के कार्यालय में ले गए और बुरी तरह से मारपीट की। इब्राहीम और नदीम भी पीछा करते हुए पहुंचे, जहां दोनों किशोर को पीट रहे थे। इसी दौरान जैद बेहोश हो गया और आरोपित फरार हो गए। दोस्त ई-रिक्शा से घायल जैद को उसके घर ले गए। शाम करीब चार बजे परिजन जैद को दिल्ली की जीटीबी अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सहायक पुलिस उपायुक्त ग्रामीण सुरेंद्र नाथ तिवारी ने बताया कि रोडरेज में मारपीट के बाद किशोर की मौत हुई है। आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

एचडीएफसी बैंक के पूर्व चेयरमैन अतानु चक्रवर्ती ने लीगल रिव्यू पर उठाए सवाल, रिपोर्ट्स को बताया अनावश्यक

मुंबई।

एचडीएफसी बैंक की ओर से पूर्व चेयरमैन अतानु चक्रवर्ती के इस्तीफे के रिव्यू के लिए नियुक्त की गई लीगल फर्मों 1ने काफी नियम एवं शर्तों के साथ रिपोर्ट जमा की है। इसमें बैंक के इंटरव्यू और बोर्ड मीटिंग के मिनट्स पर फोकस किया गया है। यह जानकारी चक्रवर्ती के हवाले से एक रिपोर्ट में दी गई। एनडीटीवी प्रॉफिट से बातचीत में चक्रवर्ती ने कहा कि उनका इस्तीफा बैंक की कुछ बिजनेस प्रैक्टिस और पर्सनल वैल्यू में अंतर को लेकर था और इसके जरिए कोशिश बैंक को अंतरिक समीक्षा के लिए प्रेरित करना था। लेकिन उनका कहना है कि लॉ फर्मों ने इसके बजाय अनुपालन के पहलू पर ध्यान केंद्रित किया। चक्रवर्ती का कहना है कि उन्होंने कई बार बैंक से पूछा कि आखिर किस कानूनी प्रावधान और शर्तें के तहत इन लॉ फर्मों को नियुक्त किया गया, लेकिन बोर्ड ने यह जानकारी उन्हें कभी नहीं दी। इसी वजह से उन्होंने इस पूरी कानूनी कवायद को अनावश्यक बताया। एटी-1 बॉन्ड मिस-सेलिंग मामले पर चक्रवर्ती ने बताया कि दुबई का एटी-1 बॉन्ड मिस-सेलिंग मामला उनके कार्यकाल में सामने आया था। लेकिन बैंक ने उस समय तेजी से सुधारात्मक कदम उठाए थे। चक्रवर्ती ने यह बताने से इनकार कर दिया कि बैंक की कौन-सी कारोबारी प्रथाएं उनके मूल्यों के खिलाफ थीं। साथ ही कहा कि बोर्डरूम की बातें बोर्डरूम तक ही रहनी चाहिए। पार्ट-टाइम चेयरमैन और इंडिपेंडेंट डायरेक्टर अतानु चक्रवर्ती ने अपने पद से 18 मार्च को इस्तीफा दिया था। 2021 में बैंक के बोर्ड में शामिल हुए चक्रवर्ती ने इस्तीफे में पिछले दो वर्षों में बैंक के भीतर हुए कुछ घटनाक्रमों पर चिंता व्यक्त की थी इस दौरान उन्होंने कहा, ÷पिछले दो वर्षों में मैंने बैंक के भीतर कुछ ऐसी घटनाएं और कार्यप्रणालियां देखी हैं जो मेरे व्यक्तिगत मूल्यों और नैतिकता के अनुरूप नहीं हैं। यही मेरे उपरोक्त निर्णय का आधार है। मैं पुष्टि करता हूं कि मेरे इस्तीफे का उपरोक्त कारणों के अलावा कोई अन्य ठोस कारण नहीं है।

मिलेजुले वैश्विक संकेतों के बीच भारतीय शेयर बाजार सपाट खुला, फार्मा स्टॉक्स में खरीदारी

मुंबई।

मिलेजुले वैश्विक संकेतों के बीच भारतीय शेयर की शुरुआत सोमवार को सपाट हुई। इस दौरान सेंसेक्स 45 अंक की मामूली कमजोरी के साथ 77,055 अंक और निफ्टी 5 अंक की मामूली बढ़त के साथ 24,061 पर था। शुरुआती कारोबार में खरीदारी फार्मा और हेल्थकेयर क्षेत्र में देखी जा रही थी। सूचकांकों में निफ्टी फार्मा और निफ्टी हेल्थकेयर टॉप गेनर थे। निफ्टी फिन सर्विस, निफ्टी सर्विसेज, निफ्टी रियल्टी और निफ्टी पीएसयू बैंक में भी हरे निशान में कारोबार हो रहा था। दूसरी तरफ, निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी ऑयलएंडगैस, निफ्टी आईटी, निफ्टी इन्फ्रा, निफ्टी पीएसई, निफ्टी एनर्जी और निफ्टी ऑटो लाल निशान में थे। सेंसेक्स पैक में इटरनल, सन फार्मा, बजाज फाइनेंस, आईसीआईसीआई बैंक, ट्रेंट, टाटा स्टील, बजाज फिनसर्व, एशियन पेंट्स, टेक महिंद्रा, एचयूएल, मारुति सुजुकी, एनटीपीसी और अल्ट्राटेक सीमेंट गेनर्स थे। कोटक महिंद्रा बैंक, इंडिगो, इन्फोसिस, टीसीएस, एमएंडएम, बीईएल, भारती एयरटेल और एलएंडटी लूजर्स थे। एशियाई बाजारों में मिलाजुला कारोबार हो रहा है। टोक्यो, सोल और जकार्ता लाल निशान में थे, जबकि शंघाई, हांगकांग और बैंकॉक में तेजी थी। अमेरिकी शेयर बाजार शुक्रवार को लाल निशान में बंद हुए थे। इस दौरान मुख्य सूचकांक डाओ जोन्स 0.09 प्रतिशत की कमजोरी के साथ और नैस्डैक 0.24 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ था। भारत के साथ एशियाई बाजारों के मिलाजुला कारोबार करने की वजह अमेरिका-ईरान के बीच फिर से युद्ध शुरू होना है। हालांकि, रिपोर्ट्स के मुताबिक, अब दोनों देश एक-दूसरे पर हमले रोकने पर सहमत हो गए है। दोनों पक्ष मंगलवार को कतर में बैठक कर सकते हैं। मध्य पूर्व में तनाव फिर बढ़ने से कच्चे तेल में मजबूती देखी जा रही है। खबर लिखे जाने तक डब्ल्यूटीआई क्रूड 1.23 प्रतिशत की तेजी के साथ 70.07 डॉलर प्रति बैरल और ब्रेंट क्रूड 0.98 प्रतिशत की मजबूती के साथ 73.30 डॉलर प्रति बैरल पर था।

अमेरिकी कस्टम जांच की खबरों से वारी एनर्जीज के शेयरों में 5.7 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट, कंपनी ने दी सफाई

मुंबई।

सोलर मॉड्यूल बनाने वाली कंपनी वारी एनर्जीज के शेयर सोमवार को 5.7 प्रतिशत से अधिक टूट गए। शेयरों में यह गिरावट कंपनी द्वारा अमेरिका में उसके निर्यात को लेकर चल रही कस्टम जांच से जुड़ी खबरों पर सफाई जारी करने के बाद भी देखने को मिली। सोमवार दोपहर 2 बजे तक के कारोबार में एनएसई पर कंपनी के शेयर 5.7 प्रतिशत से ज्यादा टूटकर 2,836 रुपए के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गए। अपने स्पष्टीकरण में वारी एनर्जीज ने कहा कि मीडिया में आई रिपोर्टों को गलत तरीके से समझा गया है और उन्हें जरूरत से ज्यादा बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया है। कंपनी के अनुसार, लगाए गए मुख्य आरोप अब तक साबित नहीं हुए हैं और इस मामले से उसके कारोबार पर कोई बड़ा जोखिम नहीं है। कंपनी ने कहा कि उसके अमेरिकी कारोबार, विनिर्माण, ग्राहकों को होने वाली आपूर्ति या व्यावसायिक गतिविधियों पर किसी तरह का कोई असर नहीं पड़ा है। कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में कहा, ÷अमेरिका में हमारा कारोबार पूरी तरह सामान्य तरीके से चल रहा है। विनिर्माण, ग्राहकों को डिलीवरी या व्यावसायिक संचालन पर इस मामले का कोई प्रभाव नहीं है।÷ कंपनी की यह सफाई उन मीडिया रिपोर्टों के बाद आई, जिनमें दावा किया गया था कि अमेरिकी अधिकारी इस बात की जांच कर रहे हैं कि कहीं वारी एनर्जीज ने चीन में बने सोलर सेल का इस्तेमाल करके उन्हें भारत में बने मॉड्यूल के रूप में अमेरिका निर्यात तो नहीं किया। यदि ऐसा होता, तो ग्राहकों को चीन से आने वाले उत्पादों पर लगने वाले अधिक आयात शुल्क से बचने का फायदा मिल सकता था। वारी एनर्जीज ने बताया कि अमेरिकी कस्टम अधिकारियों ने भारत स्थित उसके विनिर्माण संयंत्र का निरीक्षण किया और यह पुष्टि की कि जांच के दायरे में आने वाले शिपमेंट में किसी भी चीनी मूल के सोलर सेल का इस्तेमाल नहीं किया गया था। कंपनी ने यह भी स्पष्ट किया कि अधिकारियों ने उसके खिलाफ कोई प्रतिकूल निष्कर्ष नहीं निकाला है और न ही उसे किसी तरह की गड़बड़ी का दोषी ठहराया है। कंपनी के अनुसार, अमेरिकी कस्टम की समीक्षा केवल कुछ पुराने आयात शिपमेंट तक सीमित है।

इवेको के अधिग्रहण से टाटा मोटर्स सीवी बनेगी दुनिया की चौथी सबसे बड़ी कमर्शियल व्हीकल मैन्युफैक्चर एन चंद्रशेखरन

नई दिल्ली।

टाटा मोटर्स कमर्शियल व्हीकल (सीवी) के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने सोमवार को कहा कि इवेको के अधिग्रहण से कंपनी की वार्षिक बिक्री शुरुआत में करीब 6 लाख यूनिट्स तक पहुंच जाएगी। यह आंकड़ा कंपनी को दुनिया का चौथी सबसे बड़ा कमर्शियल व्हीकल मैन्युफैक्चरर बनाएगा। चंद्रशेखरन ने कंपनी की दूसरी एनुअल जनरल मीटिंग में शेयरधारकों को संबोधित करते हुए कहा कि टाटा मोटर्स सीवी का लक्ष्य आने वाले वर्षों में इस आंकड़े को 10 लाख यूनिट्स तक ले जाना है। चंद्रशेखरन ने यह बयान ऐसे समय पर दिया है, जब टाटा मोटर्स सीवी इवेको के कारोबार को अपने कारोबार में एकीकृत करने पर काम कर रही है।

चंद्रशेखरन ने आगे कहा कि प्रस्तावित इवेको अधिग्रहण से टाटा मोटर्स के ग्लोबल लक्ष्यों को तेजी मिलेगी। इस अधिग्रहण के लिए रेगुलेटरी मंजूरी का इंतजार है और उम्मीद है कि यह इस वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही तक पूरा हो जाएगा।

बेहतर प्रशासन के लिए प्रशासनिक डेटा को राष्ट्रीय संपत्ति बनाना आवश्यक पीएम के प्रधान सचिव

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव पी.के. मिश्रा ने सोमवार को कहा कि भारत के अलग-अलग विभागों में बिखरे प्रशासनिक डेटा को एक रणनीतिक राष्ट्रीय संपत्ति में बदलने की जरूरत है। उनका कहना है कि यदि सरकारी डेटा का बेहतर एकीकरण किया जाए तो इससे सुशासन, नीति निर्माण और सरकारी सेवाओं की गुणवत्ता में बड़ा सुधार होगा, साथ ही गोपनीयता और सुरक्षा भी सुनिश्चित की जा सकती है। सांख्यिकी दिवस के 20वें समारोह को संबोधित करते हुए मिश्रा ने कहा कि भारत में तेजी से हो रहे डिजिटल परिवर्तन के कारण सरकारी योजनाओं, नियामक संस्थानों और सार्वजनिक सेवाओं के माध्यम से बड़ी मात्रा में प्रशासनिक डेटा तैयार हो रहा है। हालांकि उन्होंने कहा कि यह मूल्यवान डेटा अभी भी अलग-अलग मंत्रालयों और विभागों तक ही सीमित है, जिससे इसका पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा, ÷इन डेटा सेट्स में आर्थिक गतिविधियों, सामाजिक विकास, बुनियादी ढांचे के निर्माण, वित्तीय समावेशन, स्वास्थ्य, शिक्षा और कल्याणकारी योजनाओं से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां मौजूद हैं। लेकिन इनकी समृद्धता और व्यापकता के बावजूद अधिकांश डेटा मंत्रालयों, विभागों और विभिन्न संस्थाओं में बिखरा हुआ है, जिससे नीति निर्माण और सुशासन में इसका पूरा उपयोग नहीं हो पा रहा है।÷

पी.के. मिश्रा ने आगे कहा कि प्रशासनिक डेटा को अब केवल विभागीय कामकाज का उप-उत्पाद (बाय-प्रोडक्ट) मानकर नहीं चलना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस डेटा को एक रणनीतिक राष्ट्रीय संसाधन के रूप में विकसित किया जाना चाहिए, जिससे महत्वपूर्ण डेटा की कमी को दूर किया जा सके, बेहतर नीतियां बनाई जा सकें और सरकारी योजनाओं का लाभ सही लोगों तक अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जा सके।

भारत का औद्योगिक उत्पादन मई में 5.1 प्रतिशत की दर से बढ़ा, मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में रही तेजी

नई दिल्ली।

औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) की वृद्धि दर मई 2026 में सालाना आधार पर 5.1 प्रतिशत रही है। इससे यह बढ़कर 122.7 पर पहुंच गया, जिसमें मैन्युफैक्चरिंग, बिजली और जल प्रबंधन क्षेत्रों ने प्रमुख योगदान दिया। यह जानकारी सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा सोमवार को जारी डेटा में दी गई।

खास बात यह है कि सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने औद्योगिक उत्पादन सूचकांक के लिए आधार वर्ष को 2011-12 से बदलकर 2022-23 कर दिया है। यह संशोधित आधार वर्ष के तहत डेटा का दूसरा सेट है। सरकारी डेटा के मुताबिक, मई में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर का उत्पादन सालाना आधार पर 5.5 प्रतिशत बढ़ा है। इसे कई उद्योगों में वृद्धि का फायदा मिला है। हालांकि, खनन में मई में सालाना आधार पर 1.6 प्रतिशत की कमी देखी गई है। मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र के 23 उद्योग समूहों में से 16 ने मई 2025 की तुलना में मई 2026 में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की है। मई 2026 के दौरान सबसे अधिक सकारात्मक योगदान देने वाले तीन प्रमुख उद्योग समूह में मोटर वाहन, ट्रेलर और सेमी-ट्रेलर के निर्माण में वृद्धि दर 14.5 प्रतिशत, विद्युत उपकरण के निर्माण में वृद्धि दर 20.8 प्रतिशत और बेसिक मेटल के निर्माण में वृद्धि दर 4.6 प्रतिशत रही। वहीं, बिजली और गैस का उत्पादन 9.9 प्रतिशत और पानी की आपूर्ति में सालाना आधार पर 5.5 प्रतिशत का इजाफा हुआ है।

इसके अतिरिक्त पूंजीगत वस्तुओं के उत्पादन में सालाना आधार पर 12.9 प्रतिशत की जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की गई, जो निवेश गतिविधियों में लगातार तेजी का संकेत है।

मई में इन्फास्ट्रक्चर से जुड़े सामान का उत्पादन 5.9 प्रतिशत बढ़ा, जबकि लंबे समय तक चलने वाले कंज्यूमर गुड्स का उत्पादन 7.2 प्रतिशत बढ़ा है। इससे पहले 22 जून को वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी डेटा में बताया गया कि भारत की आठ मुख्य इन्फास्ट्रक्चर इंडस्ट्रीज के संयुक्त सूचकांक की विकास दर मई में सालाना आधार पर 0.5 प्रतिशत रही है। इसमें सीमेंट, स्टील और इलेक्ट्रिसिटी क्षेत्र में जबरदस्त तेजी देखी गई है।

भारत के एयरपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में 2029 तक 4.2 लाख करोड़ रुपए तक के निवेश आने की संभावना रिपोर्ट

नई दिल्ली।

भारत के एयरपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में वर्ष 2029 तक 4.2 लाख करोड़ रुपए तक का निवेश आने की संभावना है।

सोमवार को जारी ब्रिकवर्क रेटिंग्स की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। इस रिपोर्ट के अनुसार, इस अनुमान में वित्त वर्ष 2026 तक घोषित और लागू किए जा रहे प्रोजेक्ट्स की लगभग 3.7 लाख करोड़ रुपए की परियोजनाएं शामिल हैं। इसके अलावा, वर्ष 2029 तक शुरू होने वाली नई परियोजनाओं में करीब 50,000 करोड़ रुपए का अतिरिक्त निवेश होने की संभावना जताई गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि रिकॉर्ड यात्री संख्या और एयरपोर्ट शुल्क (टैरिफ) में बढ़ोतरी के कारण वित्त वर्ष 2026 में एयरपोर्ट सेक्टर की परिचालन आय (ऑपरेटिंग रेवेन्यू) में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई।

वहीं वित्त वर्ष 2027 में भी घरेलू हवाई यात्रा में लगातार बढ़ोतरी और एयरपोर्ट नेटवर्क के विस्तार के चलते राजस्व में अच्छी बढ़ोतरी जारी रहने की उम्मीद है। रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2026 के दौरान एयरपोर्ट सेक्टर में बड़े पैमाने पर क्षमता विस्तार किया गया। क्षेत्रीय एयरपोर्टों का विकास और टर्मिनलों के आधुनिकीकरण का काम तेज हुआ, ताकि घरेलू हवाई यात्रा में लगातार बढ़ रही मांग को पूरा किया जा सके। ब्रिकवर्क रेटिंग्स के सीनियर डायरेक्टर (रेटिंग्स) नीरज राठी ने कहा कि घरेलू हवाई यात्रा में मजबूत मांग, टियर-2 शहरों में एयरपोर्ट नेटवर्क के विस्तार और नवी मुंबई तथा जेवर जैसे नए ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट शुरू होने से हवाई यात्री यातायात में 8 से 10 प्रतिशत की वृद्धि होने की संभावना है।

उनके अनुसार, इन कारणों से अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा में आई सुस्ती का असर काफी हद तक संतुलित हो जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा की वृद्धि फिलहाल धीमी पड़ गई है, जिसका मुख्य कारण उड़ानों पर प्रतिबंध, ईंधन की बढ़ती कीमतें और पश्चिम एशिया में जारी तनाव है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत की कुल अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्री संख्या में 38 से 40 प्रतिशत हिस्सेदारी केवल पश्चिम एशिया की है। ऐसे में इस क्षेत्र में जारी अस्थिरता का सीधा असर भारतीय विमानन उद्योग पर पड़ रहा है।

नीरज राठी ने कहा कि इन चुनौतियों के कारण वित्त वर्ष 2027 की पहली छमाही में वृद्धि सीमित रह सकती है। हालांकि, दूसरी छमाही में एयरलाइंस के शीतकालीन यात्रा सीजन के लिए नई उड़ानें शुरू करने और नए एयरपोर्ट पूरी क्षमता से संचालन शुरू करने के बाद यात्री संख्या और मांग में तेज सुधार देखने को मिल सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, एयरपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर का क्रेडिट आउटलुक स्थिर बना हुआ है।

मारुति सुजुकी ने एआई और ऑपरेशनल दक्षता बढ़ाने के लिए अपने साथ पांच स्टार्टअप्स को जोड़ा

नई दिल्ली।

देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने सोमवार को घोषणा की कि उसने पांच स्टार्टअप्स को अपने साथ जोड़ा है। ये स्टार्टअप्स आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और सस्टेनेबिलिटी-आधारित समाधान विकसित करेंगे, जिनका उद्देश्य कंपनी की परिचालन दक्षता (ऑपरेशनल एफिशिएंसी), ग्राहकों के अनुभव और बिजनेस प्रक्रियाओं को बेहतर बनाना है। चयनित स्टार्टअप्स में मिनीमाइन्स, ईजवर्क एआई, सर्वम एआई, सिफ्टली और कोडमेट एआई शामिल हैं। ये सभी मारुति सुजुकी इन्क्यूबेशन प्रोग्राम (एमएसआईपी) के पांचवें बैच के विजेता हैं, जिसका संचालन इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम) बेंगलुरु के स्टार्टअप इन्क्यूबेटर एनएसआरसीईएल के साथ साझेदारी में किया जाता है। मारुति सुजुकी के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) हिसाशी ताकेउची ने कहा कि कंपनी लंबे समय से स्टार्टअप्स के साथ मिलकर वास्तविक कारोबारी चुनौतियों के व्यावहारिक समाधान विकसित करने पर काम कर रही है। उन्होंने कहा, ÷हमें पांच और स्टार्टअप्स के साथ साझेदारी करके खुशी हो रही है। इनमें से मिनीमाइन्स हमारी एंड-ऑफ-लाइफ बैटरियों को सुरक्षित तरीके से रीसायकल करने में मदद करेगा, जबकि बाकी चार स्टार्टअप्स ग्राहक जुड़ाव (कस्टमर एंगेजमेंट) बढ़ाने और हमारी व्यावसायिक प्रक्रियाओं को अधिक कुशल बनाने में सहयोग करेंगे।÷

बीपीसीएल ने टीटीएसआईपीएल में 85 करोड़ रुपए में खरीदी 40 प्रतिशत हिस्सेदारी

नई दिल्ली।

सरकारी तेल कंपनी भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) ने सोमवार को ऐलान किया कि वह टिकी टार एंड शेल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (टीटीएसआईपीएल) में 40 प्रतिशत हिस्सेदारी का 85 करोड़ रुपए में अधिग्रहण करेगी। इसके जरिए कंपनी की कोशिश वैल्यू-एडेड बिटुमिन (वीएबी) बाजार में अपनी स्थिति को मजबूत करना है। पीएसयू कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में कहा कि इस स्ट्रैटेजिक इन्वेस्टमेंट का मकसद भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में बीपीसीएल के विस्तार को तेज करना है, जहां सड़क और एयरपोर्ट के निर्माण के साथ-साथ खास बिटुमेन प्रोडक्ट्स की मांग बढ़ने की उम्मीद है। कंपनी ने आगे कहा कि आम शर्तों के पूरा होने पर, इस अधिग्रहण के 90 दिनों के भीतर पूरा होने की उम्मीद है। बीपीसीएल ने कहा कि यह अधिग्रहण उसे टीटीएसआईपीएल के प्रोडक्ट पोर्टफोलियो और मार्केट में मौजूदगी का फायदा उठाकर वैल्यू-एडेड बिटुमेन सेगमेंट में मौकों का लाभ उठाने में मदद करेगा। बीपीसीएल ने बताया कि मुंबई में रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज के साथ रजिस्टर्ड टीटीएसआईपीएल की अधिकृत शेयर पूंजी 37 करोड़ रुपए और पेड-अप पूंजी लगभग 36 करोड़ रुपए है।

इसके अतिरिक्त, वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में बीपीसीएल ने 3,191 करोड़ रुपए का शुद्ध मुनाफा दर्ज किया। इस दौरान आय लगभग 1.18 लाख करोड़ रुपए पर स्थिर रहा, जबकि ईबीआईटीडीए 10,061 करोड़ रुपए रहा। बीपीसीएल के अनुसार, मई 2026 में दिल्ली में पेट्रोल की बिक्री 27,800 मीट्रिक टन से अधिक रही, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 27,100 मीट्रिक टन से अधिक थी। इस तरह इसमें लगभग 2.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इस महीने डीजल की बिक्री में भी लगातार बढ़ोतरी देखी गई। यह मई 2025 के 16,100 मीट्रिक टन से अधिक से बढ़कर मई 2026 में 16,500 मीट्रिक टन से अधिक हो गई है, जो लगभग तीन प्रतिशत की बढ़ोतरी दिखाता है।

पश्चिम एशिया संकट के दौरान ईंधन की आपूर्ति सामान्य बनाए रखने के लिए सरकार ने तेजी से उठाए कदम नवदीप सूरी

नई दिल्ली।

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में भारत के पूर्व राजदूत नवदीप सूरी ने सोमवार को कहा कि हालांकि 28 फरवरी को होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होरमुज) के बंद होने की स्थिति वैश्विक ऊर्जा बाजार के लिए सबसे खराब परिस्थितियों में से एक थी, लेकिन भारत सरकार ने तेजी से कदम उठाकर इस संकट का प्रभावी ढंग से सामना किया और देश में ईंधन की आपूर्ति सामान्य बनाए रखी। न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में सूरी ने कहा, ÷मुझे लगता है कि इस दौरान सरकार ने काफी सक्रिय ऊर्जा कूटनीति का प्रदर्शन किया।÷ उन्होंने कहा कि सरकार ने यूएई, सऊदी अरब और कतर जैसे देशों के साथ जो विशेष संबंध बनाए हैं, वे इस संकट के समय बेहद काम आए। उन्होंने बताया कि 15 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यूएई यात्रा और युद्ध के दौरान पेट्रोलियम मंत्री की कतर यात्रा इसका उदाहरण हैं। सूरी ने कहा कि इन मजबूत संबंधों की वजह से भारत को एलपीजी और कच्चे तेल जैसी ऊर्जा आपूर्ति लगातार मिलती रही। पूर्व राजदूत ने यह भी कहा कि इस दौरान भारत की कूटनीति की एक और बड़ी सफलता यह रही कि उसने खाड़ी देशों के अलावा रूस, फिर अमेरिका और साथ ही वेनेजुएला, नाइजीरिया, गैबॉन और गुयाना जैसे अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के नए आपूर्तिकर्ता देशों से भी तेल आयात के स्रोत बढ़ाए। उन्होंने कहा, ÷इन सभी प्रयासों की वजह से, जब कई दूसरे देश गंभीर ऊर्जा संकट का सामना कर रहे थे, तब भारत काफी हद तक इस संकट से बचने में सफल रहा।÷ सूरी ने आगे यह भी कहा कि सरकार ने उपभोक्ताओं के लिए ईंधन की कीमतें भी नियंत्रित रखने में सफलता हासिल की। जब 28 फरवरी के बाद युद्ध शुरू होने पर वैश्विक तेल कीमतों में तेज बढ़ोतरी हुई, तब सरकार और तेल कंपनियों ने बढ़ी हुई लागत का बड़ा हिस्सा खुद वहन किया। उन्होंने आईएएनएस से कहा, ÷सरकार ने टैक्स में कटौती की और तेल कंपनियों ने अपने मुनाफे का कुछ हिस्सा छोड़ा, जिससे आम लोगों पर कीमतों का बोझ नहीं पड़ा।

हॉर्मुज संकट के दौरान निर्बाध ईंधन की आपूर्ति, भारत के ऊर्जा क्षेत्र की ताकत को दिखाता है एक्सपर्ट्स

नई दिल्ली।

करीब चार महीनों तक हॉर्मुज स्ट्रेट बंद रहने के दौरान भारत में ईंधन की आपूर्ति यथावत रहना और ग्राहकों पर न्यूनतम प्रभाव पड़ना, देश के ऊर्जा क्षेत्र की मजबूती को दिखाता है, जिससे इन्फ्रास्ट्रक्चर में निवेश, विविध स्रोतों से आपूर्ति और सरकारी निर्णयों में समन्वय से समर्थन प्राप्त है। यह जानकारी एक्सपर्ट्स की ओर से सोमवार को दी गई।समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड के पूर्व चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर (एमडी) वर्तिका शुक्ला ने कहा कि हॉर्मुज स्ट्रेट के चलते पैदा हुई चुनौतियों ने भारत के ऊर्जा सेक्टर की ताकत को दिखाया है।

इस दौरान भारत की आपूर्ति स्थिर रही और आपूर्ति श्रृंखला में आई रुकावटों का खुदरा कीमतों पर प्रभाव न्यूनतम रहा। इसकी वजह सरकार की ओर से समय पर आपूर्ति स्रोतों का विविधीकरण और एनर्जी इन्फ्रास्ट्रक्चर में पर्याप्त निवेश था।हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) के पूर्व चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर एम.के.सुराना ने कहा कि जब पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू हुआ और होर्मुज स्ट्रेट से शिपिंग में रुकावट आई, तो कई जानकारों को उम्मीद थी कि भारत को ईंधन की भारी कमी का सामना करना पड़ेगा, क्योंकि वह आयातित कच्चे तेल पर बहुत अधिक निर्भर है।उन्होंने कहा, ÷जब टकराव शुरू हुआ और होर्मुज स्ट्रेट बंद हो गया, तो ज्यादातर जानकारों को लगा था कि 85 प्रतिशत आयातित कच्चे तेल पर निर्भर भारत की आपूर्ति थप हो जाएगी और देश में पेट्रोल की कमी हो जाएगी। ÷सुराना ने आईएएनएस को बताया, ÷एलपीजी भी नहीं मिल पाती। भारी कमी हो जाती और बड़े पैमाने पर कामकाज बंद हो जाता।

भारत के 12 एलपीजी जहाजों ने हॉर्मुज स्ट्रेट बिना टोल दिए किया पार हरदीप पुरी

नई दिल्ली, 29 जून (आईएएनएस)। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को कहा कि भारत के 12 एलपीजी जहाजों ने हॉर्मुज स्ट्रेट बिना टोल दिए पार किया है, साथ ही कुकिंग गैस का उत्पादन बढ़ाने के लिए तेजी से रिफाइनरियों में बदलाव किए। इन उपायों ने देश को आधुनिक इतिहास की सबसे बड़ी ऊर्जा आपूर्ति में रुकावट से निपटने में मदद की। चार महीने तक होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने से आई चुनौतियों का जिक्र करते हुए पुरी ने कहा कि सरकार ने बिना रुकावट ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करने और उपभोक्ताओं को इस व्यवधान के असर से बचाने के लिए कई आपातकालीन उपाय किए। उन्होंने कहा, ÷जब दुनिया ऊर्जा के सबसे बुरे संकटों में से एक और बाधित आपूर्ति श्रृंखलाओं का सामना कर रही थी, तब पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने ऊर्जा उपभोक्ताओं को किसी भी नकारात्मक असर से प्रभावी ढंग से बचाया।÷ मंत्री ने कहा कि भारत ने कच्चे तेल के आयात के स्रोतों में विविधता लाकर, एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार करके और कई देशों से एलपीजी की वैकल्पिक सप्लाई सुनिश्चित करके घरेलू उपभोक्ताओं को सप्लाई की कमी से बचाया। उन्होंने कहा कि सरकार के कदमों से यह सुनिश्चित हुआ कि ग्लोबल एनर्जी संकट के बावजूद कुकिंग गैस और ईंधन की सप्लाई स्थिर बनी रही। संकट के दौरान उठाए गए कदमों में मार्च में ईंधन पर सेंट्रल एक्साइज ड्यूटी में 10 रुपए प्रति लीटर की कटौती भी शामिल थी। उन्होंने कहा, ÷घरों तक पहुंचने वाली कुकिंग गैस की पूरी सुरक्षा की गई और कालाबाजारी करने वालों द्वारा इस कीमती सप्लाई की हेराफेरी रोकने के लिए डिजिटल ऑथेंटिकेशन कोड जरूरी कर दिया गया।÷ पुरी ने बताया कि जिन रिफाइनरियों में पहले कभी कुकिंग गैस का उत्पादन नहीं हुआ था, उनमें उत्पादन बढ़ाने के लिए कुछ ही दिनों में बदलाव किए गए। नतीजतन, एलपीजी का उत्पादन 35 हजार मीट्रिक टन (टीएमटी) प्रतिदिन से बढ़कर 54 टीएमटी प्रतिदिन हो गया। उन्होंने आगे कहा कि भारत ने अल्जीरिया, जापान और कनाडा जैसे देशों के साथ एलपीजी सप्लाई के नए इंतजाम किए, साथ ही घरेलू मांग को पूरा करने के लिए अमेरिका से अतिरिक्त खेप हासिल कीं।

कनाडा ने पहली बार फुटबॉल वर्ल्डकप का नॉकआउट मैच जीता

● साउथ अफ्रीका को 1-0 से हराया, टॉप-16 में पहुंची, इंजरी टाइम में यूस्टाक्वियो का गोल

लॉस एंजिल्स (एजेंसी)। कनाडा फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई है। उसने सोमवार को साउथ अफ्रीका को 1-0 से हराया। कनाडा ने पहली बार इस टूर्नामेंट का कोई नॉकआउट मैच जीता है। अब उसका सामना 4 जुलाई को नीदरलैंड और मोरक्को के विनर से होगा। लॉस एंजिल्स स्टेडियम में सोमवार को खेले गए मैच के 90 मिनट तक कोई गोल नहीं आया। यहां तक दोनों टीमें 0-0 की बराबरी पर थीं। इसके बाद एलिस्टेयर जॉनस्टन ने इंजरी टाइम के दूसरे मिनट में डी के बाहर से गोल करके कनाडा को जीत दिला दी। उन्हें सुपीरियर प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। 74 साल और 79 दिन के ह्यूगो ब्रूस फीफा वर्ल्ड कप के नॉकआउट स्टेज में मैच कोचिंग करने वाले सबसे उम्रदराज कोच बन गए। उन्होंने ओस्कर तबारेज का रिकॉर्ड तोड़ा। तबारेज ने 2018 वर्ल्ड कप के क्वार्टर फाइनल में 71 साल की उम्र में उरुग्वे को कोच किया था।

कनाडा के कोच जेसी ने प्लेयर्स को नेशनल हीरो बताया

मैच के बाद कनाडा के हेड कोच जेसी मार्श इमोशनल हो गए। उन्होंने मैदान पर खिलाड़ियों को नेशनल हीरो बताया। उन्होंने कहा कि वे देश के भविष्य के लिए प्रेरणा बन गए हैं। अब कनाडा में फुटबॉल का भविष्य और उज्ज्वल होगा।

डेविस की वापसी से बढ़ी टीम की ताकत

स्टार डिफेंडर अल्फोंसो डेविस ने 75वें मिनट में चोट से वापसी की। उन्होंने मैदान पर उतरते ही प्रॉमिस डेविड के लिए शानदार मौका बनाया, हालांकि उसे गोल में नहीं बदला जा सका। आखिरकार यूस्टाक्वियो ने टीम को अतिरिक्त समय में जाने से बचा लिया।

साउथ अफ्रीका ने किया कड़ा मुकाबला

साउथ अफ्रीका ने पूरे मैच में मजबूत रक्षात्मक खेल दिखाया और गोल होने तक कनाडा को लगातार रोके रखा। गोलकीपर रॉनवेन विलियम्स ने पांच शानदार बचाव किए, लेकिन अंतिम क्षणों में टीम को हार से नहीं बचा सके।

लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के लिए क्रिकेट क्वालिफिकेशन सिस्टम को मिली मंजूरी

लाजेन (स्विट्जरलैंड) (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक कमिटी (आईओसी) ने लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक खेलों में क्रिकेट प्रतियोगिताओं के लिए क्वालिफिकेशन सिस्टम को मंजूरी दे दी है। आईओसी के एग्जीक्यूटिव बोर्ड (ईबी) की मंजरी के बाद लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक खेलों में क्रिकेट प्रतियोगिताओं के लिए क्वालिफिकेशन सिस्टम अब जारी कर दिया गया है तथा सर्फ़िगं क्वालिफिकेशन सिस्टम में भी अपडेट किया गया हैं।

128 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी हो रही है, जहां पुरुष और महिला दोनों वर्गों में टी20 प्रारुप में 6-6 टीमें स्वर्ण पदक के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। प्रत्येक टीम में 15 खिलाड़ी होंगे। जो प्रशंसक इस रोमांच का हिस्सा बनना चाहते हैं, वे अगस्त में होने वाले अगले लॉस एंजिल्स 2028 टिकट सेल के लिए आधिकारिक रू-28 वेबसाइट पर साइन अप कर सकते हैं जिन लोगों ने अभी तक साइन अप नहीं किया है उनके लिए रजिस्ट्रेशन 22 जुलाई 2026 तक खुला रहेगा।

दक्षिण कोरिया की रयू हेरान ने शानदार वापसी करते हुए जीती विमेंस पीजीए चैंपियनशिप

मिनेसोटा (अमेरिका) (एजेंसी)। दक्षिण कोरिया की रयू हेरान ने 10- स्ट्रोक के भारी अंतर से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए केपीएमजी विमेंस पीजीए चैंपियनशिप अपना पहला मेजर खिताब जीता। हेजलटाइन नेशनल गोल्फ क्लब में रविवार को एलपीजीए की 2023 'रूकी ऑफ द ईयर' रयू ने पहले राउंड के बाद 10 शॉट्स से पिछड़ने के बावजूद जबरदस्त वापसी की। उन्होंने 1964 में कैरोल मान के बनाए टूर के इतिहास में सबसे बड़ी वापसी के रिकॉर्ड की बराबरी की और 13-अंडर 275 के स्कोर के साथ जीत हासिल की। उन्होंने अपनी ही देश की यूं इना को दो स्ट्रोक्स से हराया। इस जीत के साथ वह पिछले कम से कम 60 वर्षों में किसी मेजर में पहले राउंड के बाद 10 से अधिक शॉट्स के नुकसान से उबरकर खिताब जीतने वाली पहली गोल्फर बन गई है। आखिरी तीन राउंड में रयू का स्कोर 14-अंडर रहा, जो मिनेसोटा के हेजलटीन नेशनल गोल्फ क्लब में बाकी खिलाड़ियों से कम से कम छह शॉट्स बेहतर था। 25 साल की रयू, पिछले 12 सालों में यह टूर्नामेंट जीतने वाली दक्षिण कोरिया की छठी गोल्फर हैं। रयू के शानदार प्रदर्शन ने नेल्ली कोडर को सीजन की शुरुआत में लगातार तीसरी बड़ी चैंपियनशिप जीतने से रोक दिया। आठवें स्थान से संतोष करना पड़ा, और वह विजेता से सात स्ट्रोक्स पीछे रहीं। कनाडा की ब्रुक हेंडरसन और नीदरलैंड की डेवी वेबर 10-अंडर के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहीं।

एशिया जूनियर चैंपियनशिप

हांगकांग से हारकर भारत का सफर थमा, क्वार्टर फाइनल में निराशा

यत्सुशिरो (एजेंसी)। बैडमिंटन एशिया जूनियर मिश्रित टीम चैंपियनशिप 2026 में भारतीय टीम का अभियान क्वार्टर फाइनल में समाप्त हो गया। जापान के यत्सुशिरो में खेले गए मुकाबले में हांगकांग ने भारत को 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। भारत ने शानदार शुरुआत की थी, लेकिन अगले दो मुकाबलों में बढ़त कायम नहीं रख सका। देव रूपारेलिया, तन्वी पत्री और अन्य युवा खिलाड़ियों ने संघर्ष जरूर किया, लेकिन निर्णायक क्षणों में हांगकांग की टीम ज्यादा मजबूत साबित हुई।

क्वार्टर फाइनल में भारत को मिली हार - सोमवार को खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में भारत को हांगकांग के खिलाफ 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ भारतीय टीम का टूर्नामेंट में सफर समाप्त हो गया, जबकि हांगकांग ने अंतिम चार में अपनी जगह पक्की कर ली।

देव रूपारेलिया और तन्वी पत्री ने दिलाई शानदार शुरुआत -भारत की ओर से पहले मुकाबले में देव रूपारेलिया और तन्वी पत्री की जोड़ी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई। भारतीय जोड़ी ने पहला गेम 55-44 से अपने नाम कर मुकाबले में शानदार शुरुआत की। हालांकि दूसरे गेम में हांगकांग के कैन यी हेई ने रूपारेलिया पर दबाव बनाया और 11-8 से जीत दर्ज की। इसके बाद आईपी सुम याउ ने भी बढ़त हासिल करते हुए स्कोर 22-16 कर दिया। निर्णायक गेम में रूपारेलिया ने वापसी करते हुए चान को 11-9 से हराया, लेकिन आईपी सुम याउ ने 22-21 की मामूली बढ़त बनाए रखकर हांगकांग को मुकाबले में बनाए रखा।

दूसरे मुकाबले में कड़ी टक्कर के बावजूद मिली हार - अगले मैच में भारत के ब्योर्न जैसन और डियांका वाल्डिया का सामना चियुंग साइ शिंग और विंग चि चू से हुआ। मुकाबला काफी रोमांचक रहा और एक समय स्कोर 11-11 की बराबरी पर था। भारतीय जोड़ी ने शानदार खेल दिखाते हुए टीम को 33-32 की बढ़त दिलाई, लेकिन हांगकांग की जोड़ी ने दबाव में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए मुकाबला अपने पक्ष में मोड़ लिया।

आखिरी मुकाबले में नहीं बचा सके भारत की उम्मीदें

निर्णायक मुकाबले में भारत की तन्वी रेड्डी और बरूनी पर्शवाल से काफी उम्मीदें थीं, लेकिन उन्हें चू और यी कियू यू की जोड़ी के खिलाफ 5-11 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ भारत ने सेट 43-55 से गंवा दिया और हांगकांग ने मुकाबला 2-1 से जीतकर सेमीफाइनल का टिकट हासिल कर लिया।

युवा खिलाड़ियों ने दिखाया दम, लेकिन अधूरा रह गया सपना

भारतीय जूनियर खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट में कई शानदार प्रदर्शन किए, लेकिन क्वार्टर फाइनल में टीम निर्णायक मौकों का फायदा नहीं उठा सकी। इसके बावजूद युवा खिलाड़ियों के प्रदर्शन ने भविष्य के लिए सकारात्मक संकेत जरूर दिए।

यूएसओपन 2026

किदांबी श्रीकांत का खिताब जीतने का सपना टूटा, फाइनल में सु ली यांग से हार

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत के अनुभवी शटलर किदांबी श्रीकांत एक बार फिर बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर का खिताब जीतने से चूक गए। अमेरिका के फुलर्टन में खेले गए यूएस ओपन 2026 के फाइनल में उन्होंने शानदार संघर्ष किया, लेकिन चीनी ताइपे के युवा खिलाड़ी सु ली यांग ने उन्हें तीन गेम तक चले मुकाबले में हराकर ट्रॉफी अपने नाम कर ली।

यूएस ओपन 2026 के फाइनल में श्रीकांत को मिली हार - पूर्व विश्व नंबर-1 किदांबी श्रीकांत को फाइनल मुकाबले में चीनी ताइपे के 24 वर्षीय सु ली यांग के खिलाफ 21-15, 16-21, 21-9 से हार का सामना करना पड़ा। एक घंटे नौ मिनट तक चले इस मुकाबले में श्रीकांत ने दमदार संघर्ष किया, लेकिन निर्णायक गेम में वह लय बरकरार नहीं रख सके। इस हार के साथ उनका बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब का इंतजार और लंबा हो गया।

तीसरे गेम में युवा खिलाड़ी ने पलट दी बाजी - निर्णायक गेम में शुरुआत में श्रीकांत मुकाबले में बने रहे और स्कोर 9-7 तक पहुंचा। इसके बाद सु ली यांग ने लगातार आठ अंक जीतकर मैच पर पूरी पकड़ बना ली। लंबे मुकाबले का असर श्रीकांत की फिटनेस पर भी दिखाई दिया और अंततः उन्हें 21-9 से गेम गंवाकर उपविजेता से संतोष करना पड़ा।

शानदार प्रदर्शन के बावजूद खिताब फिर दूर - भले ही श्रीकांत ट्रॉफी जीतने में सफल नहीं रहे, लेकिन पूरे टूर्नामेंट में उनका प्रदर्शन उम्मीद जगाने वाला रहा। अनुभवी भारतीय खिलाड़ी ने कई मजबूत प्रतिद्वंद्वियों को हराकर फाइनल तक का सफर तय किया और यह दिखाया कि वह अब भी बड़े मंच पर चुनौती पेश करने की क्षमता रखते हैं।

पहले गेम में सु ली यांग का दबदबा

मुकाबले की शुरुआत से ही सु ली यांग ने आक्रामक खेल दिखाया और जल्दी ही 10-5 की बढ़त बना ली। हालांकि श्रीकांत ने शानदार वापसी करते हुए स्कोर 10-10 से बराबर कर दिया, लेकिन इसके बाद चीनी ताइपे के खिलाड़ी ने लगातार सात अंक जीतकर पहला गेम 21-15 से अपने नाम कर लिया।

दूसरे गेम में श्रीकांत ने दिखाई शानदार वापसी

दूसरे गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। स्कोर 15-13 तक बेहद करीबी रहा, लेकिन इसके बाद श्रीकांत ने अपना अनुभव दिखाते हुए लगातार पांच अंक हासिल किए और 20-13 की बढ़त बना ली। उन्होंने चौथे गेम प्वाइंट पर गेम जीतकर मुकाबले को निर्णायक तीसरे गेम तक पहुंचा दिया।

हरियाणा के योगेश कोहली को बड़ी जिम्मेदारी

ऑस्ट्रिया कप के लिए भारतीय सीनियर टेनिस टीम के कप्तान बने

हिसार (एजेंसी)। हरियाणा के हिसार के वरिष्ठ टेनिस खिलाड़ी योगेश कोहली को वर्ष 2026 आईटीएफ वर्ल्ड टेनिस मास्टर्स टूर ऑस्ट्रिया कप सीनियर के लिए भारतीय टीम का कप्तान बनाया गया है. यह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता 5 जुलाई से 10 जुलाई 2026 तक इटली के रोम में आयोजित होगी. इस टूर्नामेंट में योगेश कोहली भारतीय टीम की कप्तानी करते हुए देश का प्रतिनिधित्व करेंगे।

एक दशक से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शनः योगेश कोहली पिछले करीब 10 वर्षों से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का नाम रोशन कर रहे हैं. वर्ष 2016 से वह लगातार आईटीएफ मास्टर्स टेनिस सर्किट में शानदार प्रदर्शन करते आ रहे हैं. उनकी निरंतर सफलता और बेहतरीन खेल के दम पर एकल वर्ग में उनकी विश्व रैंकिंग 34वीं है, जो भारतीय सीनियर टेनिस के लिए बड़ी उपलब्धि मानी जाती है।

करियर में जीते 19 अंतरराष्ट्रीय खिताबः योगेश कोहली ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में अब तक एकल वर्ग में 6 और युगल वर्ग में 13 अंतरराष्ट्रीय खिताब अपने नाम किए हैं. उनकी लगातार शानदार उपलब्धियों ने उन्हें भारतीय सीनियर टेनिस के प्रमुख खिलाड़ियों में शामिल कर दिया है। 2025 रहा सबसे यादगार सालः योगेश कोहली के लिए वर्ष 2025 बेहद खास रहा. उन्होंने एक ही साल में एकल और युगल वर्ग को मिलाकर रिकॉर्ड 10 अंतरराष्ट्रीय खिताब जीतकर नया कीर्तिमान बनाया. इस शानदार प्रदर्शन के बाद उन्हें भारतीय टीम की कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। भारत को पदक दिलाने का लक्ष्यः भारतीय टीम के कप्तान बनाए जाने पर योगेश कोहली ने खुशी जताई. उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय परिवार, प्रशिक्षकों, सहयोगियों और समर्थकों को दिया. उन्होंने कहा कि देश का प्रतिनिधित्व करना और भारतीय टीम की कप्तानी करना उनके लिए गर्व की बात है।

महिला टी-20 वर्ल्ड कप में सिर्फ दूसरी बार हुआ ऐसा

● जब डिफेंडिंग चैंपियन को ग्रुप स्टेज से ही लौटना पड़ा घर

● न्यूजीलैंड महिला टी-20 वर्ल्ड कप 2026 से बाहर

नईदिल्ली (एजेंसी)। महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 में न्यूजीलैंड का खराब सफर आखिरकार खत्म हो गया, क्योंकि 'द ओवल' में इंग्लैंड से हारने के बाद वे टूर्नामेंट से बाहर हो गए. इस हार के साथ ही यह टूर्नामेंट के इतिहास में सिर्फ दूसरी बार हुआ है जब डिफेंडिंग चैंपियन ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गया हो. टूर्नामेंट में खराब प्रदर्शन के कारण डिफेंडिंग चैंपियन न्यूजीलैंड महिला टी20 वर्ल्ड कप के ग्रुप स्टेज से बाहर हो गया. 'द ओवल' में अपने आखिरी ग्रुप स्टेज मैच में इंग्लैंड से नौ विकेट से हारने के बाद वे टूर्नामेंट से बाहर हो गए.

वर्ल्ड कप के इतिहास में दुर्लभ घटना - न्यूजीलैंड टूर्नामेंट के इतिहास में ऐसा करने वाली दूसरी टीम बन गई है जब डिफेंडिंग चैंपियन ग्रुप स्टेज से बाहर हुए. 'ब्लैककैप्स' (न्यूजीलैंड टीम) से पहले, 2016 का टूर्नामेंट जीतने के बाद वेस्टइंडीज 2018 के एडिशन में ग्रुप स्टेज से बाहर हो गई थी. गौरतलब है कि 10 एडिशन में से ऐसा सिर्फ दो बार हुआ है।

डैनी वायट-हॉज ने लगाई फिफ्टी -इंग्लैंड की डैनी वायट-हॉज ने मैच में बल्ले से शानदार प्रदर्शन किया और न्यूजीलैंड टीम को टूर्नामेंट से बाहर करने में अहम भूमिका निभाई. उन्होंने 53 गेंदों पर नाबाद 89 रन बनाए, जिसमें 15 चौके और एक छक्का शामिल था. सोफिया डंकली ने भी अहम योगदान दिया और 38 गेंदों पर नाबाद 49 रन बनाए. दूसरे विकेट के लिए दोनों के बीच 128 रनों की साझेदारी की बदौलत इंग्लैंड ने 164 रनों के लक्ष्य को 17.2 ओवर में चेज करके न्यूजीलैंड को नौ विकेट से हरा दिया। इससे पहले मैच में, इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को 163/6 पर रोक दिया, जिसमें मेली केर (42) बल्लेबाजी करने वाली टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी रहीं. डैनी गिब्सन ने दो विकेट लिए, जबकि लॉरिन बेल और फ्रेया केम्प ने एक-एक विकेट लिया।

महिला टी20 वर्ल्ड कप का सेमीफाइनल - इंग्लैंड और वेस्टइंडीज ग्रुप 2 से सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं, और बाकी दो सेमीफाइनलिस्ट का फैसला आज होगा. बांग्लादेश बनाम दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया बनाम भारत मैचों के नतीजों के आधार पर जगहें तय होंगी. ग्रुप स्टेज का आखिरी दिन तीन टीमों के लिए बहुत अहम साबित हुआ है, क्योंकि इससे 'लास्ट फोर' (अंतिम चार) में उनकी जगह तय होगी।

आयरलैंड ने भारत को दूसरे टी20 में एक रन से दी मात

पहली बार सीरीज जीतकर रचा इतिहास

बेलफास्ट (एजेंसी)। आयरलैंड ने भारत को दूसरे टी20 में एक रन से हराकर दो मैचों की टी20 सीरीज अपने नाम कर ली है. बेलफास्ट में खेले गए दूसरे मैच में मेजबान टीम ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 154 रन बनाए. जिसमें हैरी टेक्टर ने सबसे ज्यादा 47 गेंद में 56 रनों की पारी खेली. वहीं भारत की तरफ से अपना पहला टी20 मैच खेल रहे प्रिंस यादव ने सबसे ज्यादा 3 विकेट झटके. उन्होंने 4 ओवर में 22 रन देकर 3 विकेट के साथ अपना स्पेल खत्म किया. इसके अलावा अर्शदीप और दुबे को 2-2 विकेट मिले, जबकि हर्षित राणा एक विकेट लेने में सफल रहे।

154 रनों के जवाब में भारतीय टीम 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 153 रन ही बना सकी. जिसकी वजह से उन्हें एक रनों से हार का सामना करना पड़ा. मैच में भारतीय बल्लेबाजी ने एक बार फिर सबको निराश किया।

इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने इंटरनेशनल क्रिकेट को कहा अलविदा

लंदन (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के खिलाफ चल रहे टेस्ट मैच में इंग्लैंड को एक बड़ा झटका लगा है. इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने इंटरनेशनल क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास की घोषणा कर दी है. इंग्लैंड टीम ने टेस्ट के चौथे दिन के खेल के बीच में यह जानकारी दी. इसके साथ ही स्टोक्स के 15 साल के करियर पर विराम लग जायेगा जिसमें वह 2019 वनडे विश्व कप फाइनल में इंग्लैंड की न्यूजीलैंड पर जीत के नायक रहे. वह टी20 विश्व कप 2022 जीतने वाली इंग्लैंड टीम के भी अहम सदस्य थे और उसी साल टेस्ट कप्तान बने थे। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के बाद नाइट क्लब घटना के बाद अनुशासनात्मक कारणों से 35 साल के इस ऑलराउंडर को दूसरे टेस्ट से बाहर रखा गया था।

इंग्लैंड क्रिकेट ने क्या कहा - इंग्लैंड क्रिकेट ने अपने बयान में कहा, 'इंग्लैंड के अब तक के सबसे महान कप्तानों में से एक, बेन स्टोक्स ने इस टेस्ट मैच के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया है. बेन, आप इस टीम के लिए सबसे प्रेरणादायक कप्तान, लीडर और लेजेंड रहे हैं, जिसकी टीम कभी उम्मीद कर सकती थी. हम आपसे बहुत प्यार करते हैं और आपके रिटायरमेंट के लिए आपको शुभकामनाएं देते हैं।'

स्टोक्स ने क्या कहा - स्टोक्स ने एक भावुक वीडियो में कहा, 'कारणों पर बाद में बात हो सकती है, लेकिन मैंने इस टीम के लिए, आप लोगों के लिए और पहले के लोगों के लिए कई बार अपना सब कुछ झोंका है, और मुझे एक बार और ऐसा करना है. मैं बस यही चाहता हूं. हमें बहुत मेहनत करनी है, और मैं बस यही चाहता हूं कि नतीजे की परवाह किए बिना, मैं उस मैदान से यह जानते हुए बाहर निकलूं कि इस ग्रुप ने पिछले दो दिनों में अपना सब कुछ दिया है. मैं बस यही चाहता हूं कि हर कोई न केवल मेरे लिए, स्वार्थी होकर, बल्कि इस टीम के लिए भी अपना सब कुछ दे।

जानकारी

कार्डियो एक्सरसाइज के दौरान लें ये 5 चीजें

कार्डियो के एक सेशन के लिए बड़ी मात्रा में ऊर्जा की आवश्यकता होती है। कार्डियो वर्कआउट हृदय गति को बढ़ाकर रक्त और ऑक्सीजन के प्रवाह को बेहतर बनाता है। आपको बता दें कि कार्डियो एक्सरसाइज में दौड़ना, तैरना, साइकिल चलाना और बहुत सारे व्यायाम आते हैं। इसके अंतर्गत आने वाले व्यायामों को कम तीव्रता के साथ शुरू करना पड़ता है जिसकी गति धीरे-धीरे बढ़ती है। कार्डियो एक्सरसाइज से वजन तो तेजी से कम होता ही है साथ ही इससे नियंत्रित तनाव, रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल भी नियंत्रित होता है। अपने कार्डियो सत्र को पूरा करने के लिए आपको अच्छे ऊर्जा स्रोतों की आवश्यकता होती है। आप पूरी तरह से कार्डियो सत्र के लिए अपनी ऊर्जा को फिर से भरने के लिए कार्ब्स पर निर्भर नहीं हो सकते। अन्य कार्डियो फ्रेंडली आहार विकल्प हैं जिनसे आप पर्याप्त ऊर्जा प्राप्त करने के लिए अपने आहार में शामिल कर सकते हैं।

मिलेगी एनर्जी

प्रोटीन

प्रोटीन को जिम का सबसे घनिष्ट साथी माना जाता है। प्रोटीन शेक या प्रोटीन युक्त अन्य पदार्थ जिम जाने वालों के लिए वरदान माने जाते हैं। यह आपको तुरंत ऊर्जा प्रदान कर सकता है। आप अपने वर्कआउट के बीच भी इसका सेवन कर सकते हैं। आप भोजन के लिए कार्बोहाइड्रेट और प्रोटीन का संयोजन भी बना सकते हैं। यह एक संपूर्ण भोजन होगा जो आपको तुरंत ऊर्जा प्रदान कर सकता है।

एनर्जी शेक और स्मूदी

कार्डियो करने वालों के लिए एनर्जी शेक और स्मूदी जबरदस्त स्रोत होते हैं। आप कार्डियो फ्रेंडली स्मूदी तैयार करने के लिए दही के साथ अपनी पसंद के फल को मिला सकते हैं। आप अपने कार्डियो सत्र से पहले या सत्र के बीच में शेक या स्मूदी पी सकते हैं। आपको फल के पोषक तत्व प्रदान करेगा। उन्हें तैयार करने के लिए मौसमी फलों का उपयोग करना सबसे अच्छा तरीका है।

फाइबर युक्त आहार

फाइबर एक स्मार्ट विकल्प है, जब कार्डियो फ्रेंडली खाद्य पदार्थों की बात आती है। फाइबर वजन घटाने के अनुकूल होने के साथ-साथ यह आपको लंबे समय तक भरा हुआ रखता है और आपको बार-बार भूख नहीं लगती है। यदि आप अपने आहार में अधिक फाइबर शामिल करते हैं तो आप अनावश्यक कैलोरी का उपभोग करने की संभावना कम करते हैं।

नट्स और सीड्स

नट्स और सीड्स का मिश्रण आपको तुरंत ऊर्जा दे सकता है। मुट्ठी भर नट आपके लिए आवश्यक ऊर्जा देने के लिए पर्याप्त हैं। नट्स और सीड्स आपको अधिक समय तक भरे रखते हैं और आपको बेकार की चीजों को खाने से रोकते हैं। नट्स और सीड्स में से कुछ जिन्हें आप अपने आहार में शामिल कर सकते हैं, उनमें हैं- बादाम, फ्लैक्स सीड्स, भांग के बीज, चिया सीड्स और अखरोट।

साबुत अनाज

साबुत अनाज अपने आप में ही कई पोषक तत्वों का स्त्रोत होता है। साबुत अनाज का सेवन आपको वजन कम करने में मदद करने के लिए आपको पर्याप्त फाइबर प्रदान करेगा। साबुत अनाज में कार्ब्स की मात्रा अधिक होती है जो कार्डियो फूड के अनुकूल बनाती है। आप विभिन्न तरीकों से अपने आहार में साबुत अनाज शामिल कर सकते हैं। साबुत अनाज आपको कार्डियो के लिए अधिक ताकत प्रदान करेगा और आपकी मांसपेशियों के लिए ईंधन का काम करेगा।

गर्भावस्था के बारे में ये बातें कोई नहीं बताता आपको

जो गर्भावस्था एक महिला के जीवन के सबसे रोमांचक और चुनौतीपूर्ण समय में से एक है, लेकिन कई महिलाएं मातृत्व के इस नौ महीने की इस यात्रा को बहुत कम जानते हुए शुरू करती हैं। ऐसी कई बातें है जिनका उल्लेख महिलाओं को तब होता है जब वह उनके साथ होती है।

गर्भावस्था में इन बातों को नहीं जानती आप

गर्भावस्था एक महिला के जीवन के सबसे रोमांचक और चुनौतीपूर्ण समय में से एक है, लेकिन कई महिलाएं मातृत्व के इस नौ महीने की इस यात्रा को बहुत कम जानते हुए शुरू करती हैं। इम्पीरियल कॉलेज ऑफ लंदन के प्रोफेसर विवेत्ते ग्लोवर फ्रॉम के अनुसार गर्भधारण करने के बाद महिला का शरीर कई बदलावों से गुजरता है। महिला के शरीर में बदलाव हार्मोन में परिवर्तन के कारण होते हैं। लेकिन ऐसी कई बातें है जिनका उल्लेख महिलाओं को तब होता है जब वह उनके साथ होती है। आइए ऐसी ही कुछ बातों की जानकारी हम आपको देते हैं।

श्रोणि में दर्द

गर्भावस्था के दौरान एक महिला का शरीर जन्म देने के लिए तैयार होने के कारण कई सामान्य परिवर्तनों से गुजरना पड़ता है। इस दौरान रिलैक्सिन नामक हार्मोन के स्राव, स्नायुबंध, मसल्स और नसों को अधिक से अधिक लचीलापन देता है। इसके अलावा, रिलैक्सिन बच्चे के सिर को नीचा लाने के लिए एक महिला के श्रोणि पर्याप्त लचीला बनाता है। इस अतिरिक्त लचीलेपन के साथ मसल्स को खींचाव आसान होता है। कभी-कभी गर्भावस्था के अंतिम दिनों में, जोड़ महिला के श्रोणि के दो हिस्सों को एक साथ कसकर रखते हैं, बिल्कुल अलग होकर एसपीडी का कारण बनता है। इससे महिला के खड़े होने, घूमने और बैठे रहने पर श्रोणि और पीठ में दर्द होने लगता है।

भावनात्मक बदलाव

प्रोफेसर ग्लोवर के अनुसार गर्भवती में अन्य महिलाओं की तुलना में चिंता और अवसाद के लक्षण अधिक देखने को मिलते हैं। इस दौरान किसी भी महिला में असामान्य भावनात्मक परिवर्तन होना सामान्य ही माना जाता है। हॉर्मोन्स में हो रहे बदलावों के चलते महिलाओं के स्वभाव में तो परिवर्तन आता ही है और वे अधिक गुस्सा करने लगती हैं। उनका स्वभाव चिड़चिड़ा और अजीब सा हो जाता है। इसके अलावा हार्मोनल बदलाव, विशेष रूप से गर्भावस्था के पहले तीन महीनों में होने वाले बदलाव महिला के मन को प्रभावित कर उसे बीमार, थक हुआ और रुआंसा महसूस कराते हैं। लेकिन यह बदलाव बच्चे के स्वास्थ्य पर बुरा असर डाल सकता है।

मसूड़ों से खून बहना

कई बार गर्भवती महिलाओं को मसूड़े से खून आने की दिक्कत अधिक होती है। इसे प्रेग्नेंसी जिन्जवाइटिस भी कहते हैं। इसमें हार्मोनल बदलाव की वजह से मसूड़ों तक सही तरीके से ब्लड नहीं पहुंच पाने के कारण मसूड़े कमजोर होने लगते हैं और उनसे खून निकलता है। इसलिए महिलाओं को ब्रश करते समय या फ्लॉस करते समय आपके दांतों में से खून आता है तो आपको डेंटिस्ट के पास तुरन्त जाना चाहिए। साथ ही अपने दांतों की अच्छी तरह से देखभाल के लिए नियमित रूप से चेकअप के लिए अपने दंत चिकित्सक के पास जाये।

कब्ज

अधिकांश महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान कब्ज की शिकायत रहती है। हार्मोन्स में आए बदलाव के कारण शरीर की पाचन प्रक्रिया धीमी होने पर आंतों की शिथिल मांसपेशियां कब्ज पैदा करने लगती हैं। गर्भावस्था के आखिरी दो तिमाही में आंतों पर गर्भाशय का दबाव कब्ज पैदा कर देता है। इससे निजात पाने गर्भवती को अपने नियमित आहार में फाइबर (रेशेदार) युक्त खाद्य पदार्थ जैसे फल एवं सब्जियों व दालों का ज्यादा से ज्यादा मात्रा में सेवन करना चाहिए। खूब पानी पिएं। कैफीन युक्त पेय पदार्थों के सेवन करने से बचें, क्योंकि कैफीन से आपका शरीर नियमित रूप से मल त्यागने के लिए आवश्यक द्रवों को नष्ट कर देता है। इसके अलावा हल्के व्यायाम को शामिल करें।

बवासीर

लगभग 50 प्रतिशत गर्भवती में बवासीर की समस्या देखने को मिलती है- जिसमें मलाशय में सूजन और उभड़ी हुई नसों की समस्या, आमतौर पर प्रसव के बाद बेहतर हो जाती है। गर्भावस्था के दौरान गर्भाशय के विस्तार से मलाशय नसों पर अधिक दबाव पड़ने से बवासीर की समस्या होने लगती है। इस समस्या के चलते खुजली और खून बहने के साथ लंबे समय तक बैठने पर असहज महसूस होता है।

बालों के टेक्सचर में बदलाव

गर्भावस्था के दौरान महिलाओं के बालों की ग्रोथ के साथ-साथ उनके टेक्सचर में भी काफी बदलाव दिखता हैं। यह सब गर्भावस्था के दौरान महिलाओं मे आए हॉर्मोनल बदलाव के कारण होता है, इसको एस्ट्रोजन नामक हॉर्मोन प्रभावित करता है। जिसके बढ़ने से बाल अधिक घने और चमकदार होने लगते हैं। बच्चे को जन्म देने के बाद ये साइकल सामान्य हो जाते हैं। लेकिन डिलीवरी के बाद कई महिलाओं को हेयर फॉल की शिकायत रहती है। क्योंकि ऐसे मे पहले ही बढ़े हुए बालों का बढ़ना रुक जाता है और वह सब एक साथ गिरने लगते हैं।

सुनाई कम देना

गर्भावस्था हार्मोन कभी-कभी अस्थायी सुनवाई हानि या टिनिटस (कान में घंटी जैसा बजना) का कारण भी बनता है। कुछ गर्भवती महिलाओं, विशेष रूप से एलर्जी से ग्रस्त महिलाओं में साइनस की समस्या अधिक देखने को मिलती है। भीतरी कान में तरल पदार्थ के साथ नम और संचार प्रणाली के साथ जुड़े होने के कारण, गर्भावस्था में रक्त की मात्रा के बढ़ने पर महिलाओं के कंबुकर्णी नली को प्रभावित कर, कान के अवरूद्ध होने की भावना पैदा करता है। चाहे आप गर्भवती है या नहीं, लेकिन ठंड जैसे वायरस के पकड़ने पर समस्या दूर होने तक अस्थायी रूप से आपको कम सुनाई देता है।

सुझाव

स्वस्थ फेफड़ों के लिए लें खास आहार

हमारा खान-पान कैसा हो जो फेफड़ों के लिए फायदेमंद रहे। अगर फेफड़ों में कोई परेशानी हो, तो अपने खाने में क्या शामिल करें प्रदूषण, धूम्रपान आदि के दुष्प्रभावों के कारण छाती व फेफड़ों से संबंधित परेशानियां बढ़ती जा रही हैं। हम आहार पर थोड़ा-सा गौर करके अपने फेफड़ों को ज्यादा सेहतमंद बना सकते हैं।

क्या खाएं

विटामिन सी युक्त भोजन और फल लें। इनमें खट्टे फल, नीबू, संतरा, मौसमी आदि प्रमुख है। संतुलित आहार लें, जो दाल और अन्न से परिपूर्ण होना चाहिए। यदि फेफड़ों से संबंधी कोई परेशानी है या फेफड़ों में किसी तरह के संक्रमण की शिकायत है तो प्रोटीन से भरपूर डाइट लें, ताकि शरीर में हुई क्षति को जल्दी ठीक किया जा सके। प्रोटीन के लिए सोयाबीन, सभी तरह की दालें, पनीर, अंडा आदि खा सकते हैं। दिन में कम-से-कम डेढ़ से दो लीटर पानी अवश्य पिएं। इससे बलगम को बाहर निकलने में सहायता मिलती है। फलों से मिलने वाले विटामिन्स और मिनरल्स फेफड़ों को दुरुस्त रखने में सहायक होते हैं। मौसमी फल खाना अधिक हितकर होता है। खाने-पीने का समय निर्धारित करें और नियमित अंतराल पर खाएं।

मौसम के अनुरूप यह रखें ध्यान

आजकल के उमस भरे मौसम में फेफड़ों को स्वस्थ रखने या उनसे संबंधित परेशानी से राहत के लिए पानी खूब पिएं। फेफड़ों से संबंधित किसी तरह की परेशानी है तो बहुत खट्टा या ठंडा न खाएं। इससे फेफड़ों में सूजन की आशंका रहती है। शरीर को एकदम सर्दी से गर्मी या गर्मी से सर्दी में ले जाने से बचें।

क्या नहीं खाएं

बासी भोजन न करें। इससे फेफड़ों को नुकसान पहुंचता है और पाचन तंत्र भी बिगड़ता है। यदि फेफड़ों का किसी तरह का रोग है, तो तेज मसाले और तला-भुना खाने से भी बचें, क्योंकि इससे एसिडिटी की शिकायत हो सकती है जो फेफड़ों के लिए बहुत हानिकारक होती है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
मित्तव्ययता रखें क्योंकि रुपये-पैसों की सुविधा आगे मिले न मिले। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। शुभांक-4-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
निकटस्थ व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-3-5-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। मेहमानों का आगमन होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-5-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
ज्ञानीजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। आध्यात्मिक वातावरण बनेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। यात्रा का योग बन रहा है। शुभांक-2-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
विवादों व मुकदमे बाजी से राहत मिलेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेगें। भावनाओं में न बहें, सावधान रहें। रुका हुआ धन प्राप्त होगा। अवरुद्ध कार्य सम्पन्न होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग है। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। हरि करे सो खरी अत: हानि का कोई भय नहीं, यथावत कार्य जारी रखें। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। मातृ पक्ष से विशेष लाभ। शुभांक-2-4-7

धनु (ये यो भा भी भू)
मुंह मांगी मुराद मिलेगी यानि इच्छित फल की प्राप्ति होगी। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)
सलाहकार संपादक: रिजवान सैफ खान
सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारुकी ,
सह संपादक: राम सिंह यादव उपसंपादक राकेश द्विवेदी
उक्त सभी पद अवैतनिक है

काकुरो पहेली - 3933

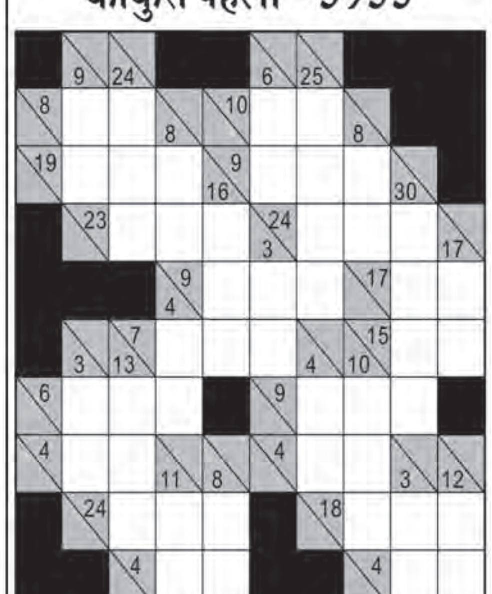

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

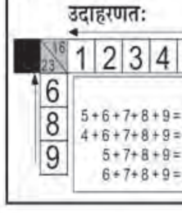

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 3932 का हल

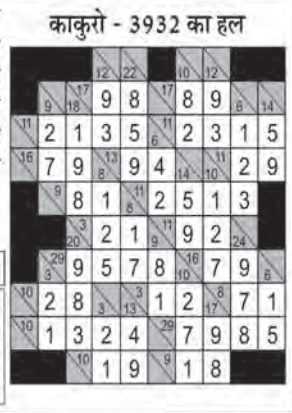

हंसी के फूव्वारें

एक अभिनेत्री ने ब्यूटी-क्लीनिक की मालकिन से अपने चेहरे के दाग को मिटाने का रेट पूछा.
'पांच सौ रुपये लगेंगे !'
'पांच सौ तो ज्यादा हैं !'
'फिर ?'
'कोई सस्ता तरीका बताइए !'
'सस्ता नहीं मुफ्त का तरीका है.'
'कृपया जल्दी बताइये !'
' घूंघट निकालना शुरू कर दीजिए! आपका काम मुफ्त में बन जायेगा.'

□ □ □

एक आंखों के डाक्टर ने अपने एक सर्जन मित्र को नजर का चश्मा बनाकर दिया. संयोग से उसी दिन आंखों के डाक्टर को उसी सर्जन से अपना ऑपरेशन करवाना पड़ा.
फिर जब वह ऑपरेशन टेबल पर लेट गया तो सर्जन चश्मा लगाकर बोला- 'रेडी ! मैं तैयार हो गया हूँ ! अब तुम बताओ कि तुम कहां हो?'
आंखों का डाक्टर तुरन्त मेज से कूद पड़ा.

□ □ □

प्रशंसिका: ''आपके उपन्यास का अंतिम सीन बहुत अच्छा है.''
उपन्यासकार: ''उपन्यास के आरंभ के विषय में आपका क्या विचार है?''
प्रशंसिका: ''मैं उसे अभी पढ़ना शुरू करने वाली हूँ.''

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3933

बायें से दायें:-

१. सैफ, चंद्रचूड़, प्रीति की 'इसे खेल ना समझो' गीत वाली फिल्म-१,३
४. 'एक लड़की जिसके' गीत वाली संजय दत्त, जैकी, रवीना की फिल्म-२
६. गोविंदा, रवीना टंडन की 'सासूजी थारो लक्षा' गीत वाली फिल्म-३
७. 'हम दिल दे चुके सनम' में सलमान की माँ की भूमिका किसने की थी-३
८. ऋषि कपूर, जूही चावला वाली फिल्म 'दरार' में सहनायक कौन था-४
१०. 'रंग दे रंग दे' गीत वाली फिल्म 'तक्षक' के संगीत निर्देशक कौन हैं-४
१४. राजकुमार, जीतेंद्र की फिल्म 'मेरे हुजूर' की नायिका कौन थी-२
१५. 'दिल है तुम्हारा' में अर्जुन रामपाल के किरदार का क्या नाम है-२
१६. राजेंद्रकुमार, बी. सरोजादेवी की 'जाना तुम्हारे प्यार में' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'इस टूटे दिल' गीत वाली अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२०. अक्षयकुमार, करिश्मा की 'माथे पे चमके इसके' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'सोला किये थे' गीत वाली मिथुन, शिल्पा शिरोडकर की फिल्म-४
२४. आमिर खान, माधुरी की 'मुझे नींद न आये' गीत वाली फिल्म-२
२५. नाना पाटेकर, जैकी श्रॉफ, कुमार गौरव, जावेद, जूही की फिल्म-२
२६. राजकपूर, दिलीपकुमार की 'उठाये जा उनके' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'ओ मेरे सनम ओ मेरे सनम' गीत वाली फिल्म-३
२८. राजेंद्रकुमार, माला सिन्हा की 'जिसके सपने हमें रोज' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'जाने क्या होगा रामा रे' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

२. आफताब, लिसा रे की 'कितना बेचैन हो के' गीत वाली फिल्म-३
३. 'तेरे बिना मैं कुछ' गीत वाली मिथुन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-३
४. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'यारी है ईमान मेरा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'बोल गोरी बोल तेरा कौन पिया' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
७. फिल्म 'रजिया सुल्तान' में शीर्षक भूमिका किसने की थी-२
८. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मीत ना मिला रे मन का' गीत वाली फिल्म-४
९. संजय दत्त, इंद्रकुमार, मनीषा की फिल्म-२
११. शॉवर अली, तरूण अरोड़ा, मेघना की 'तेरी चाहत में' गीत वाली फिल्म-३
१२. राजेश खन्ना, शबाना की 'चलो बुलावा आया है' गीत वाली फिल्म-४
१३. सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
१७. अजय, अक्षय, करिश्मा, नगमा की 'शाबा ये नखरा' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२
२०. सनी, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
२१. 'दिल का तोहफा लाई हूँ' गीत वाली फिल्म-४
२२. आयशा, दिव्या भारती, कमल सदाना की 'तेरी मुहब्बत' गीत वाली फिल्म-२
२३. 'ये काली काली आँखें' गीत वाली फिल्म-४
२४. सनी, बॉबी, उर्मिला की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 3932

सूडोकु -3933

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3932 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

शब्द पहेली -3933

बाएँ से दाएँ

1.दयालु,उदार-5
4.गगन,आकाश-4
7.सरिता-2
8.चोगा,गाऊन-3
9.छुट्टी,अवकाश-2
10.आबे हयात,काबा कूप-4
11.रिहा-2
13.खाना,भोजन करना-3
14.जिद-2
15.हिम्मत,बल-3
17.कारागार-2
19.रइसे आजम,सूरी-5
22.दुत्कारना,डांटना-5
25.सराबोर-2
26.भोर,सवेरा-3
28.मूल्य,कीमत-2
29.महीन,बहुत छोटा-3
30.फूंक,दम,सुट्टा -2
32.झंकार,प्रतिध्वनि-4
34.उष्णता,ज्वर-2
36.ओट,चिलमन-3
37.छोटा टुकड़ा-2
38.सराबोर,सना हुआ-4
39.निर्माता,रचना करने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.कैदी,बंधक-2
2.मुलायम-3
3.यात्री पोत,तैरता होटल-5
4.उर्दू में अभिवादन-3
5.पिटाई,चोट-2
6.नाजुकता-4
7.नया जीवन-5
10.मर्यादा-4
12.खाली,रिक्त-2
16.लाईन,पंक्ति-3
17.गर्मी का महीना-2
18.उदर-2
20.दीनहीन,दरिद्र-3
21.लश्कर,फौज-2
22.नष्ट,अद्वैतभाव-2
23.व्यवसाय,धंधा-4
24.नाम रखना -2,3
25.होशियार-5
26.सुर आलाप-2,2
27.अधिकार-2
31.प्रतिज्ञा-3
33.आकांक्षा,अभिलाषा-3
35.राह,मार्ग-2
37.टैक्स,हाथ-2

शब्द पहेली -3932 का हल

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी